Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
घटती घटना
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022
अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 255 मंगलवार,19 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

बस सुकर्म करते चलो,उसका फल एक दिन छप्पर फाड़कर तुम पर गिरेगा।

-शेख सादी-

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में पुलिस जवान ने अपने ही साथियों पर चलाई गोली, 2 जवानों की मौत

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2022। देश की राजधानी दिल्ली में एक दिल दहलाने वाली घटना हुई जहां एक पुलिस जवान ने अपन ही साथी जवानों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी। बताया जा रहा है कि आरोपी जवान ने अपने 3 साथी जवानों पर गोलियां बरसा दी जिसके बाद 2 जवानों की मौत हो गई, वहीं एक अन्य घायल जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना दिल्ली के हैदरपुर इलाके की है जहां एक वाटर प्लांट में तैनात सिक्किम पुलिस के एक जवान ने 3 कर्मियों को गोली मार दी है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और आरोपी सिक्किम पुलिस कर्मी को पकड़ लिया गया है।

परीक्षा के नाम पर उतरवा दिए लड़कियों के अंडरगारमेंट्स, विवाद के बाद मामले की जांच में जुटी पुलिस

केरल, तिरुवनंतपुरम, 18 जुलाई 2022। प्रतियोगी परीक्षाएं जब भी होती हैं अपने साथ एक नया विवाद लेकर आती हैं। ऐसा ही कुछ कल रविवार को NEET-UG 2022 E&am के दौरान हुए। बताया जा रहा है कि परीक्षा आयोजित होने के पहले लड़के और लड़कियों से हांथ व पैर में पहनने वाली चीजों को उतरवा लिया। यहां तक तो ठीक था, लेकिन हद तो तब हो गई जब चेकिंग क नाम पर लड़कियों के अंडरगारमेंट्स तक उतरवा लिए गए।

महाराष्ट्र के जयकवाड़ी बांध का जलस्तर 72 प्रतिशत हुआ पार

औरंगाबाद ,18 जुलाई 2022। महाराष्ट्र में औरंगाबाद जिला के पैठण में जयकवाड़ी बांध का जलस्तर सोमवार सुबह तक अपनी पूरी क्षमता का 72.61 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 35.48 प्रतिशत तक ही भरा था। इस साल बरसात शुरू होने से पहले बांध 32 फीसदी भर चुका था। कमांड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीएडीए) के अनुसार नासिक और अहमदनगर जिले में अपस्ट्रीम बांधों से प्रति सेकंड 45,892 क्यूसेस पानी छोड़े जाने के कारण बांध का स्तर 72 प्रतिशत भर गया है। इस बीच, मराठवाड़ा के कुछ जिलों में दो दिन के ब्रेक के बाद रविवार को बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में कोंकण और विदर्भ में अधिकांश स्थानों, मध्य-महाराष्ट्र में कई स्थानों और मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना व्यक्त की है।

मोदी,पूर्व पीएम मनमोहन,अमित शाह समेत इन दिग्गजों ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

नई दिल्ली, 18 जुलाई 2022। आज देश के 15वें राष्ट्रपति के चुनाव के लिए वोटिंग जारी है. एक तरफ ह्रष्ठ ने द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष की ओर से यशवंत सिन्हा मैदान में हैं. अगर देखा जाए तो चुनाव में ह्रष्ठ उम्मीदवाद द्रौपदी मुर्मू की जीत लगभग तय मानी जा रही है. राष्ट्रपति चुनाव में अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत कई दिग्गज नेता वोट डाल चुके हैं। नरेंद्र मोदी ने संसद भवन पहुंचकर राष्ट्रपति चुनाव में अपना वोट डाला। इसकी तस्वीर भी उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी वोट डालने पहुंचे। मतदान करने के दौरान उनकी जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें वह अस्वस्थ्य नजर आए। मनमोहन सिंह की उम्र 89 साल हो चुकी है। वह व्हीलचेयर से संसद भवन पहुंचे और चार लोगों की मदद से उन्होंने अपना वोट डाला।

गृह मंत्री अमित शाह ने संसद भवन में वोट डाला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में वोट डाला।

स्मृति ईरानी के खिलाफ हुआ एफआईआर दर्ज

रांची, 18 जुलाई 2022। आईपीसी की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करवाया। प्रसाद ने कहा की तीनों ने सोची समझी साजिश के तहत अपने सोशल नेटवर्किंग हैंडल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय कुमार के बयान को गलत तरीके से पेश किया। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए गए बयान को तोड़ मरोड़कर अपलोड किया। प्रसाद ने कहा कि ऐसा डॉ अजय कुमार और कांग्रेस पार्टी की छवि को धूमिल करने के लिए किया गया।

गौरतलब है कि बीजेपी नेताओं ने अजय कुमार का एक वीडियो शेयर करते हुए उन पर सवाल उठाए थे, जिसमें वह राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू पर टिप्पणी कर रहे थे। स्मृति ईरानी ने इसे आदिवासी नेता का अपमान बताया था।

कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रपति जैसे गरिमामयी पद के चुनाव से ठीक पहले सोची समझी रणनीति के तहत कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने की नियत और डॉक्टर अजय कुमार की छवि धूमिल करने की कोशिश की है।ऐसा कर भाजपा ने आदिवासी समाज का अपमान तो किया ही साथ ही साथ द्रौपदी मुर्मू का भी अपमान किया है। डॉ. कुमार ने अपने बयान के शुरुआत मे ही राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार की प्रशंसा की थी। लेकिन उसे एडिट कर साजिशन यह कृत्य किया गया है जो आईपीसी की धारा 153-अ 415, 469,499,500 & 505(2) के तहत गैर कानूनी है।

प्रसाद ने कहा कि आदिवासी समाज के बीच भाजपा के राजनीतिक विद्वेष और आरएसएस की विभाजनकारी विचारधारा के चलते किसी प्रकार की भ्रांति ना फैले, इसलिए कानूनी कार्रवाई की मांग की गई ।

बंदरों ने पिता की गोद से चार माह के बच्चे को छीना, फिर तीसरी मंजिल से फेंक दिया नीचे,मौके पर ही मौत

बरेली, 18 जुलाई 2022। एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. बंदरों ने एक पिता के हाथ से उसके चार महीने के बच्चे को छीन ले गए और उसे तीन मंजिला इमारत से नीचे फेंक दिया, जिससे मासूम की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद से ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है. इस घटना के बाद हर कोई दहशत में है.

जानकारी के मुताबिक बरेली जिले के दुनका के रहने वाले निर्देश उपाध्याय अपने 4 महीने के बेटे को लेकर छत पर टहल रहे थे. तभी बंदरों के झुंड ने उनपर हमला बोल दिया और बच्चे को छीन ले गए. घटना के बाद से ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है. स्थानीय लोगों के मुताबिक यहां पहले भी बंदर और आवारा कुत्ते इस तरह के हमले कर चुके हैं, लेकिन कोई ध्यान देने वाला नहीं है. जानकारी के मुताबिक बरेली के मीरगंज कस्बे के दुनका गांव में रहने वाले निर्देश उपाध्याय खेती-किसानी का काम करते हैं. परिवार वालों ने बताया कि शुक्रवार शाम को गर्मी होने के कारण निर्देश अपनी पत्नी और बेटे के साथ छत पर गए थे. बच्चे को गोद में लेकर टहल रहे थे. तभी अचानक बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया. एकाएक हुए बंदरों के हमले से डरकर पत्नी स्वाति नीचे की ओर भाग गई.

वहीं बंदरों ने निर्देश को घेर लिया. निर्देश की गोद में बच्चा था. परिवार के लोगों ने बताया कि बंदरों ने गोद से बच्चे को छीन लिया. निर्देश ने काफी हो हल्ला मचाया, लेकिन बंदर काफी आक्रामक हो चुके थे. बच्चे को हवा में उछालते हुए एक घर की तीसरी मंजिल पर ले गए. हल्ला सुनकर गांव के बाकी लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए. देखते ही देखते बंदरों ने चार माह के बच्चे को नीचे फेंक दिया. मौके पर ही बच्चे की मौत गई.

55 यात्रियों से भरी बस नर्मदा नदी में गिरी,अबतक निकाले गए 12 शव

मध्य प्रदेश , 18 जुलाई 2022। मध्य प्रदेश में सोमवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। खरगोन और धार जिले की सीमा पर 55 यात्रियों से बस नर्मदा नदी में गिर गई ,ये हादसा खलघाट में बने नर्मदा पुल की बताई जा रही है। यह यात्री बस इंदौर से महाराष्ट्र जा रही थी। जो नर्मदा नदी में जा गिरी।

सूचना मिलते ही पहुंचे पुलिस-प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। खरगोन-धार डीएम और एसपी मौके पर पहुंच गए हैं. एसपी खरगोन धर्मवीर सिंह का कहना है कि 12 शव बाहर निकाल लिए गए हैं। जबकि एक दर्जन लोग जिंदा निकाल लिए गए हैं। रेस्क्यू में बचाए गए लोगों ने बताया कि बस पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए सीधे नदी में न गिरकर पत्थरों पर गिरी। जिसके बाद उफनती नदी में पलट गई। फंसे हुए लोगो की रेस्क्यू जारी है।

रतलाम के पास मालगाड़ी के 8 डिब्बे डिरेल,दिल्ली-मुंबई मुख्य रेलवे लाइन ठप,परिवर्तित मार्ग से चल रही ट्रेनें

झाबुआ, 18 जुलाई 2022। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के समीप मालगाड़ी के 8 डिब्बे (वैगन) डिरेल हो गई है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वैगन डिरेल होने से दिल्ली मुंबई मुख्य अप डाउन रेलवे लाइन ठप हो गई है। इस मार्ग से चलने वाली सभी ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तित किया गया है। ट्रेनों को डायवर्ट रूट से रवाना किया जा रहा है। वैगन डिरेल होने से हाईटेंशन बिजली तारों को क्षति पहुंची है। दुर्घटना के कारण कई ट्रेनें देर से रवाना हुई है।

जानकारी के अनुसार ग्राम मंगलमवडी से रतलाम के बीच रात एक बजे मालवाहक ट्रेन के आठ वैगन डिरेल हो गए। इस घटना के बाद अप- डाउन लाइन अवरुद्ध हो गई है। घटना के बाद दिल्ली मुंबई ट्रैक पर चलने वाली सभी ट्रेनों के मार्गों में परिवर्तित की गई है। डीआरएम रतलाम सहित सैकड़ों कर्मचारी रातभर से ट्रैक को सुधारने में मशक्कत कर रहे हैं।

दुर्घटना के बाद इस मार्ग की सभी ट्रेनें अहमदाबाद से वाया चित्तौड़गढ़ रतलाम होते हुए पहुंच रही है। घटना से रेलवे ट्रैक व हाईटेंशन लाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। रेलवे द्वारा सुधार काम किया जा रहा है। वैगन व्यवस्थित होने के बाद सभी ट्रेनें निर्धारित रूट से चलेंगी।

पिता सलीम खान ने खोल दिया राज,बताया इस एक गलती की वजह से सलमान आज तक है कुंवारे

मुंबई , 18 जुलाई 2022। बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान की शादी के चर्चे सबसे अधिक सुर्खियां बटोरती हैं। सुपरस्टार सलमान खान 56 साल के हो चुके हैं लेकिन सब के सब लोगों के मन में यह विचार है कि वह शादी क्यों नहीं कर रहे हैं।कुछ लोग मानते हैं कि ऐश्वर्या के ब्रेकअप की वजह से सलमान खान शादी नहीं कर रहे हैं वहीं कुछ लोगों का मानना है कि सलमान खान अपने भाइयों की स्थिति को देखकर शादी नहीं करना चाहते हैं आपको बता दें कि सलमान खान के दोनों भाइयों का डिवोर्स हो चुका है और यही वजह है कि सलमान शादी नहीं करना चाहते लेकिन हाल ही में सलमान के पिता सलीम खान ने सलमान की शादी को लेकर बड़ा खुलासा किया कि आखिर क्यों सलमान अपनी गलती की वजह से 56 साल में भी कुंवारे हैं।

56 साल की उम्र में भी सलमान खान का कई एक्ट्रेस के साथ अफेयर चल चुका है सलमान खान इंडस्ट्री के दबंग खान को कहा जाता और कहते हैं कि जिसके सिर पर भी किसी पर अपना हाथ रख देते हैं उसका फिल्म इंडस्ट्री में सफल होना चाहिए होता है हालांकि कई मौका देखा गया कि सलमान की शादी की खबरें सामने आई है लेकिन ऐन मौके पर एक्ट्रेस सलमान को छोड़कर किसी और के पास चली जाती है

सलमान ऐसी क्या गलती करते हैं इसका खुलासा हाल ही में सलमान के पिता सलीम खान ने किया हाल ही में सलमान खान के पिता सलीम खान ने खुलासा किया कि सलमान दूसरे लोगों पर हद से ज्यादा भरोसा कर लेते हैं और इसी का फायदा उठाकर लोग सलमान का दिल तोड़ देते हैं और जिसकी वजह से सलमान खान आज तक कुंवारे हैं सलमान खान का दर्द आखिरकार लंबे समय के बाद अपने बेटे के लिए छलका और उन्होंने इसकी वजह भी बता दी वही सलीम खान का कहना है कि सलमान खान अपने प्यार को लेकर कुछ ज्यादा ही पजेसिव हो जाते हैं ऐसे में एक्ट्रेस ने छोड़ कर चली जाती है।

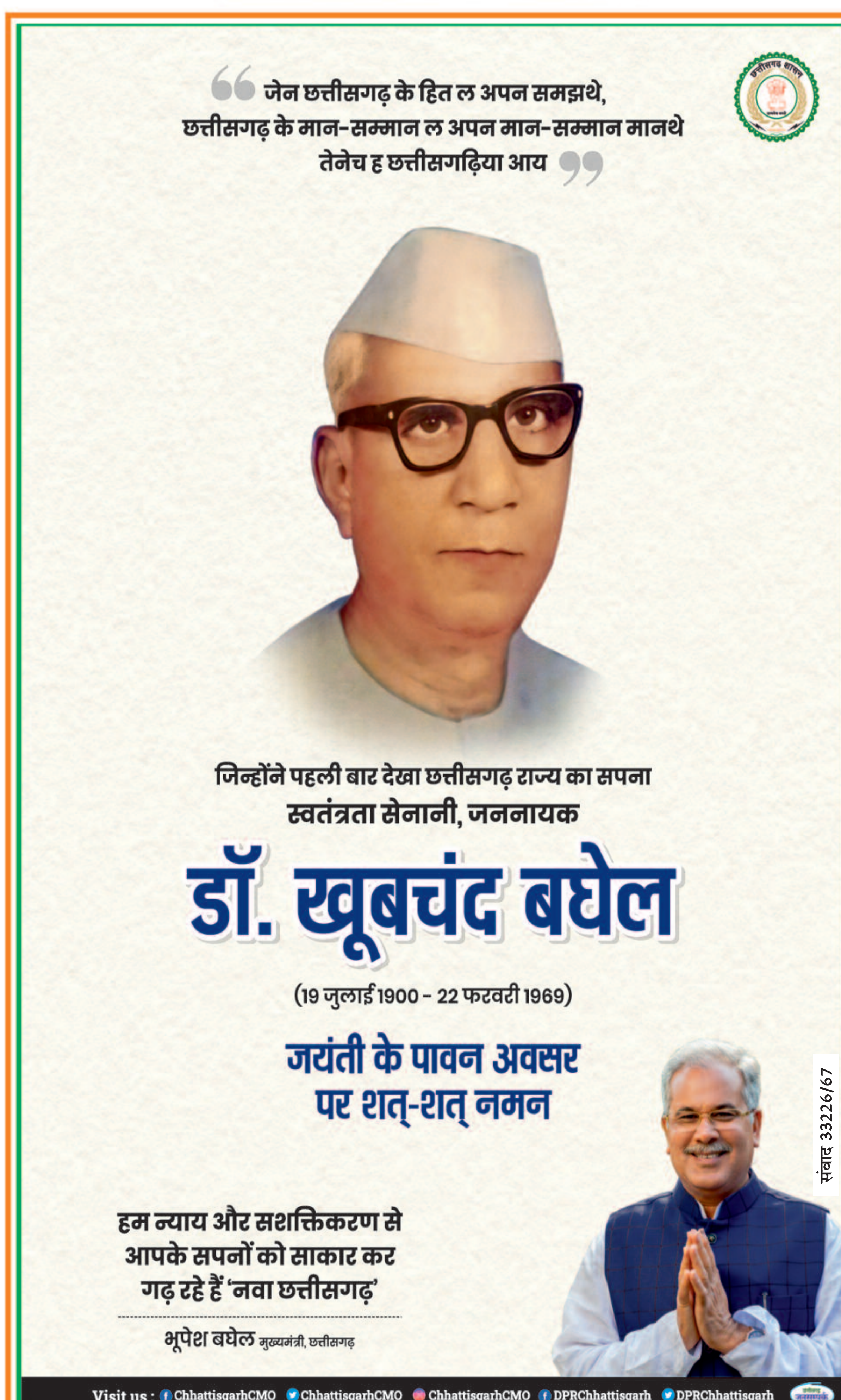

संपादकीय

राष्ट्रपति चुनावःविपक्ष के वोट बंटते रहे हैं

राष्टपति के चुनाव में इस बात का बहुत शोर हो रहा है कि विपक्षी पार्टियों के वोट बंट रहे हैं और उनकी एकता भंग हो गई है। मीडिया में इस बात के लंबे लंबे कार्यक्रम चल रहे हैं कि भाजपा के मास्टरस्ट्रोक के आगे कैसे विपक्ष धराशायी हो गया है। लेकिन यह कोई बात नहीं है। राष्टपति के हर चुनाव में विपक्ष के वोट बंटते रहे हैं। उम्मीदवार के आधार पर पार्टियां फैसला करती हैं। शिव सेना ने दबाव में या जैसे भी एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किया। लेकिन यह काम वह पहले भी कर चुकी है। भाजपा के साथ रहते हुए दो चुनावों में उसने कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन किया था। पहले 2007 में उसने मराठी के नाम पर प्रतिभा पाटिल का समर्थन किया और फिर 2012 में पता नहीं किस आधार पर प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया।

पता नहीं टेलीविजन चैनलों के पत्रकारों को ध्यान है या नहीं कि शिव सेना ने यह काम 1997 में भी किया था, जब कांग्रेस और भाजपा सबने मिल कर केआर नारायणन को समर्थन दिया था तब शिव सेना ने भाजपा का साथ छोड़ कर निर्दलीय उम्मीदवार टीएन शेषन का साथ दिया था। इसी तरह 2002 के राष्टपति चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार एपीजे अब्दुल कलाम को कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने समर्थन दिया था लेकिन वामपंथी पार्टियों ने कैप्टेन लक्ष्मी सहगल तो उम्मीदवार बना कर उतारा था। राष्टपति के पिछले चुनाव में बिहार में नीतीश कुमार राजद के समर्थन से मुख्यमंत्री थे लेकिन उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार रामनाथ कोविंद का समर्थन किया, जबकि कांग्रेस और राजद ने बिहार की ही मीरा कुमार को उम्मीदवार बनाया था। इसी तरह 2012 के राष्टपति चुनाव के समय झारखंड मुक्ति मोर्चा एनडीए के साथ था और एनडीए ने आदिवासी उम्मीदवार के रूप में पीए संगमा को उतारा था पर जेएमएम ने कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणब मुखर्जी को समर्थन दिया।

केसीआर की मोदी को ललकार!

तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने रविवार को गजब बात कही। प्रेस कांफ्रेंस करके इंदिरा गांधी के आपातकाल का हवाला देते हुए कहा कि वे हिम्मतवान थी जो घोषणा करके इमरजेंसी लगाई, जबकि आज नरेंद्र मोदी ने तानाशाही बना रखी है और अघोषित आपातकाल है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा कमजोर प्रधानमंत्री कभी नहीं हुआ। भारत भारी खतरे की और बढ़ रहा है। इसे तुरंत रोकना होगा। देश के नौजवानों, लोगों और बुद्धिजीवियों को यदि भारत बचाना है तो भाजपा को लात मार बाहर करना होगा। यहीं एक मात्र तरीका है। मोदी सरकार लोकतंत्र में नहीं, बल्कि तानाशाही में विश्वास करती है।

चंद्रशेखर राव उर्फ केसीआर ने और भी बहुत कुछ बोला। अपने को पते की बात यह लगी कि इंदिरा गांधी मर्द नेता थीं जो घोषणा करके इमरजेंसी लगाई, जबकि नरेंद्र मोदी लोकतंत्र के ढोंग में सीबीआई, ईडी, आयकर जैसी एजेंसियों और विपक्षी सरकारों में तोड़-फोड़ करवा कर खौफ, आतंक की तानाशाही बनाए हुए हैं। केसीआर ने इन बातों का खुलासा करते हुए एकनाथ शिंदे का भी हवाला दिया। मतलब मोदी ईडी जैसी एजेंसियों से एकनाथ शिंदे जैसे पैदा करते हैं और बातें लोकतंत्र, शुचिता व नैतिकता की करते हैं! बेचारे केसीआर या बेचारे उद्धव ठाकरे, शरद पवार, ममता बनर्जी, राहुल गांधी, स्टालिन आदि आदि। इन नेताओं को समझ में नहीं आ रहा है कि नरेंद्र मोदी के आइडिया ऑफ इंडिया में छल, झूठ, कपट, भय, कोतवालों से हिंदुओं पर राज करना इतिहास का वह बदला है, जिसे हिंदू सदियों झेलता आया है। हिंदू ऐसे ही राजभोगी चरित्र के हैं। इसे समझते हुए ही नरेंद्र मोदी का चक्रवर्ती राज बना है। केसीआर, उद्धव ठाकरे, स्टालिन, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी या लेफ्ट व कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों को यह नई राजनीति क्यों समझ नहीं आ रही है? वे 2014 से पहले की राजनीति से क्यों चिपके हुए है? उद्धव ठाकरे क्यों भलेपन से राज करते रहे? एकनाथ शिंदे दिल्ली सल्तनत के ताबेदार बने तो इसलिए क्योंकि वे उद्धव ठाकरे की बजाय ईडी आदि से डरे हुए थे। न धंधा हो रहा था और न सुरक्षा थी।

नरेंद्र मोदी का भारत आइडिया वह है जो हिंदू इतिहास के पोर-पोर में लिखा हुआ है। खैबर के दर्रे से पांच सौ मुसलमान घुड़सवार या दस-बीस हजार अंग्रेज भारत आ कर करोड़ों हिंदुओं पर राज करते थे तो सबका रामबाण मंत्र शहर का कोतवाल था। नरेंद्र मोदी ने भारत इतिहास से इतना ही जाना है कि हिंदू बिना रीढ़ की हड्डी के हैं। वे सत्ता के या तो भक्त, भूखे होंगे या खौफ से कंपकंपाते हुए शरीर। इसी सत्य में नरेंद्र मोदी और संघ परिवार पिछले आठ वर्षो से अरूणाचल प्रदेश से लेकर गोवा तक सत्ता बनाए हुए है। तभी मुगलों, मुसलमानों, अंग्रेजों, कांग्रेस के वक्त नहीं, बल्कि अब सचमुच में मोदी-संघ परिवार के वक्त देश-दुनिया के आगे यह प्रमाणित हुआ है कि हिंदुओं की हिंदू राजनीति कितनी सस्ती, बिकाऊ, बिना रीढ़ की हड्डी तथा बिना वफादारी व बिना वैचारिकता के है। सन् 2022 की लोकतंत्र नौटंकी में भी वह सब है जो अकबर, औरंगजेब की दिल्ली सल्तनत के समय तलवार की खनक से हुआ करता था।

हां, अकबर के दरबार में जयपुर के राजा मानसिंह मनसबदार थे और सन् 2022 में एकनाथ शिंदे यदि मोदी के दरबार के मनसबदार बने हैं या पूर्व कांग्रेसियों से लेकर दूसरी पार्टियों के असंख्य नेता नरेंद्र मोदी और संघ परिवार की पालकी ढोते हुए हैं तो यह उस हिंदू इतिहास की निरंतरता का प्रमाण है, जिसमें स्वत्व, स्वाभिमान, निर्भयता, निडरता, वैचारिक प्रतिबद्धता, देशभक्ति, नैतिकता, सत्यता, ईमानदारी का बारह सौ सालों से कोई अर्थ नहीं है।

सोचें, भारत में सत्ता और पैसे की मौजूदा भूख पर। इंदिरा गांधी के बाद के चरणों में हिंदू राजनीति में सत्ता लोलुपता और धन-पैसे व झूठ की 140 करोड़ लोगों में जो प्राण प्रतिष्ठा हुई है, वैसा क्या दुनिया के किसी और देश में होता हुआ दिखा है? जिस पाकिस्तान और चीन को हम हिंदू गालियां देते हैं उस पाकिस्तान में भी अपनी-अपनी राजनीति को लेकर मुसलमान नेता ईमानदार हैं। शरीफ, भुट्टो, इमरान, मुस्लिम लीग, इस्लामी पार्टियों के नेताओं में वह बिकाउपना, निर्लज्जता, पैसे से चुनाव, लोकतंत्र, सरकारें बनाने-बिगाड़ने वैसा कोई विकास नहीं है, जैसे नरेंद्र मोदी और अमित शाह और उनके भक्त चाणक्य नीति के हवाले भारत की विश्व गुरूता बतलाते हुए उसे न्यायोचित ठहरा रहे हैं।

मेरे साथ 40-45 सालों से भारत की राजनीति के बतौर एक गवाह नेता त्यागीजी हैं। एक दिन वे किसी होटल में बैठे हुए थे। वहां का मैनेजर उनसे मिलने आया। उसे देख उन्होंने पूछा- क्या बात है बहुत डाउन लग रहे हो? मैनेजर ने कहा- जी, जरा रीढ़ की हड्डी में तकलीफ है। त्यागीजी ने गंभीरता से सुझाया- रीढ़ की हड्डी निकलवा लो, क्या जरूरत है इसकी!

त्यागीजी का कहा लुटियन दिल्ली का सत्य था। यहीं सत्य दिल्ली के बारह सौ साल का इतिहास है। खैबर पार से आए गुलाम वंश के लोगों ने भी यदि हिंदुओं को गुलाम बनाया तो जाहिर है ऐसा होना हिंदुओं के रीढ़विहीन, बिना खुद्दारी के ही तो था। विचारें कि दिल्ली में मोदी की कैबिनेट में क्या कोई रीढ़ की हड्डी लिए हुए मंत्री है? क्या भाजपा, संघ परिवार और दिल्ली के अफसरों-कोतवालों में किसी की राजा के आगे रीढ़ की हड्डी है? अब यह तर्क फिजूल है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्योंकि तख्त पर जहांपनाह अकबर और पृथ्वीराज चौहान के वारिस हैं इसलिए वे सर्वज्ञ हैं तो उनके आगे रीढ़ की हड्डी जरूरी नहीं है।

दरअसल इतिहास की मार ने हिंदुओं को इतना मारा है कि सावरकर के आइडिया में हिंदू राजनीति की लाठी जब बनना शुरू हुई थी तो ख्याल नहीं रहा कि बिना बुद्धि और दिमाग के रीढ़ की हड्डी खड़ी और खुद्दार नहीं हो सकती। तब उसका होना न होना बेमतलब रहेगा। दिमागविहीन व रीढ़हीन अस्तित्व है तो आप कितनी ही फू-फां करे, फूफकारें मारें अंततः सब कुछ छल-कपट-झूठ-भयाकुल व्यवहार में ढला होगा। और इसे खुद आठ सालों से नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री साबित करते हुए हैं। केसीआर ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में भारत-चीन सीमा पर गतिरोध का जिक्र करते हुए कहा- भारत-चीन की सीमा कोई प्रयोग करने की लैबोरेटरी नहीं है। यह बात तमाम मामलों में लागू है। आठ साल से हिंदू हित, हिंदू राष्ट, गौरक्षा, मुस्लिम आबादी, हिंदुओं के देवी-देवताओं की गरिमा और चीन, पाकिस्तान को औकात बता देने का नैरेटिव है। लेकिन यदि हिम्मत, कमिटमेंट होता तो क्या हिंदू राष्ट कहने, बनाने की सिर्फ बातें होतीं? मोदी सरकार में न अखिल भारतीय गौरक्षा कानून बनाने का साहस हुआ और न अखिल भारतीय समान नागरिक संहिता की हिम्मत है। चीन ने भारत के इलाके पर कब्जा किया, दो साल से सीमा पर खरबों रुपए के खर्च से सेना को तैनात करके चीन को आंखें दिखा रहे हैं लेकिन न चीन से अपना इलाका खाली कराने की हिम्मत है और न उससे आयात बंद करने के फैसले की हिम्मत। सर्वाधिक शर्मनाक यह ताजा प्रकरण है जो एक कतर देश ने भारत के उप राष्टपति का भोज रद्द किया नहीं कि भाजपा ने तुरंत नूपुर शर्मा, नवीन जिंदल को बाहर निकाल दुनिया में, मुसलमानों में साबित किया कि हां, इन्होंने पैगंबर का अपमान किया था। मगर फिर चोरी-छुपे, सप्रीम कोर्ट के कहे के खिलाफ हल्ला बनवा कर हिंदुओं को बहलाने की कोशिश भी है! ओआईसी याकि इस्लामी देशों को सबक सिखाने की हिम्मत नहीं है लेकिन देश के भीतर हिंदू-मुस्लिम बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट को निशाना बनाना!

तभी केसीआर का कहना सही है कि इंदिरा गांधी साहसी थीं। उनकी सत्ता को लोकतंत्र से खतरा हुआ तो डंके की चोट घोषणा करके इमरजेंसी लगाई। उनमें घोषणा का साहस था तो बाद में चुनाव कराने का भी साहस था। चुनाव हारीं तो विपक्ष में बैठने का साहस था। लोकतंत्र से वापिस चुनाव जीतने का साहस था। इंदिरा गांधी ने अपने शपथ समारोह में याह्या खान को बुलाने की नहीं सोची और न वे उनके घर पकौड़े खाने इस्लामाबाद नहीं गईं, बल्कि आधुनिक तो छोड़े पूरे इतिहास में वे भारत की पहली अकेली वीरांगना थीं, जिनकी कमान में भारत की सेना ने न केवल एक इस्लामी देश को हराया, बल्कि उसके दो टुकड़े किए। परमाणु परीक्षण कर दुनिया से मुकाबला किया। वे वाजपेयी, संघ परिवार, लेफ्ट, समाजवादी, क्षेत्रीय नेताओं, विरोधी सरकारों याकि लोकतांत्रिक तकाजे में रत्ती भर भी वैसी बेशर्मी, खरीद-फरोख्त और धनबल से राजनीति करते हुए नहीं थीं, जैसी पिछले आठ वर्षों का आम व्यवहार है। उनके मुंह से कभी नहीं निकला कि किसी प्रदेश में प्रदर्शन-विरोध हुआ तो उससे घबरा कर लौट कर एयरपोर्ट पर अफसरों से कहें कि अपने सीएम को थैंक्स कहना, मैं जिंदा लौट रही हूं। और फिर महामृत्युंजय यज्ञ कराएं।

जो हो, केसीआर ने दो प्रधानमंत्रियों की हिम्मत, उनके शासन के अंदाज, इमरजेंसी की जो बातें कही हैं वह मौजूदा वक्त का ही नहीं, बल्कि देश, लोगों के मिजाज और भविष्य का वह सत्य है जिस पर जितना सोचेंगे कम होगा।

-हरिशंकर व्यास-

इंसानियत का धर्म

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जाँजगीर चाम्पा छत्तीसगढ़

सारे धर्मों को मिलाकर,चलो एक
नया देश बनाएं।
सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलकर
कर्मो का एक नया भेष बनाएं।
जहाँ न होगा भेदभाव
न होगा कोई छोटे-बड़े।
न राह में किसी की रोड़ा होगी
न होगा कोई तनकर खड़े।
समता-बंधुत्व का एक नया ठौर
होगा।।
कौन है भूखे,कौन असहाय
सबका जिस पर गौर होगा।
खत्म होंगे सब दंगा-फसाद,
मन में भरे सारे अवसाद।।
झण्डों की लड़ाई थम जाएगा
हर मुख में होगा आह्लाद।
रुक जाएगी गोला-बारी,
सलाम-दुआ होगी आरी-बारी
शांति-सद्भाव होगा देश में
दूर होगा सब बीमारी।
गाँव-गरीब की लाचारी,दंभ का
टूटेगा दीवारी।
जब इंसानियत बनेगा धर्म,
देश बनेगा महकती फुलवारी।
न कोई शहर जलेगा,न टूटेगा किसी
का घर।
जब सब मानुष सम होंगे,
शांति बिखरेगा आठो पहर।।
केवल इंसानियत की बाते होगी,
सुख-चैन की रातें होगी।
मस्जिद में पूजा थाल सजेगी,
मंदिर में नमाजे होगी।
गुरुद्वारा में कैंडल जलेगा,चर्च में
अरदासे होंगी।
होली में सब थिरकेंगे,
ईद में उल्लासे होंगी।
फिर मानव,मानव होगा,
धर्म-जाति की न संत्रासे होंगी।।

गीत

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

मेरे हृदय में प्रेम भाव का
किया है तुमने सूत्रपात।
फूल बनकर खिल उठता है
मेरा मन और मेरा गात।
प्रेम का ढाई अक्षर सीखा
तेरे दृगों में पढ़कर मैंने।
कितनी सुखद है यह अनुभूति
जाना मन को गढ़कर मैंने।
प्रेममई हुआ जग सारा
पूनम हुई है अब हर रात।
मेरे हृदय में प्रेम भाव का
किया है तुमने सूत्रपात...
प्रेम अनूठा भाव हृदय का
इसकी भाषा बड़ी निराली।
प्रेमासक्त हुआ जब भी मन
चले हृदय-गति हो मतवाली।
प्रियवर में ही दिख जाते हैं
इष्ट देवता सबको तात।
मेरे हृदय में प्रेम भाव का
किया है तुमने सूत्रपात...
शब्दों में है किसने बाँधा
प्रेम की सरिता मुक्त है बहती
आँखें कहें प्रेम की पाती
प्रेम भावना उर में रहती।
प्रेम छलक जाता नयनों से
जब बिन शब्दों के होती बात।
मेरे हृदय में प्रेम भाव का
किया है तुमने सूत्रपात...

भारत में 'पुलिस राज' कब खत्म होगा?

सर्वोच्च न्यायालय ने भारत सरकार से दो-टूक शब्दों में अनुरोध किया है कि वह लोगों की अंधाधुंध गिरफ्तारी पर रोक लगाए। भारत की जेलों में बंद लगभग 5 लाख कैदियों में से लगभग 4 लाख ऐसे हैं, जिनके अपराध अभी तक सिद्ध नहीं हुए हैं। अदालत ने उन्हें अपराधी घोषित नहीं किया है। उन पर मुकदमे अगले 5-10 साल तक चलते रहते हैं और उनमें से ज्यादातर लोग बरी हो जाते हैं।

हमारी अदालतों में करोड़ों मामले बरसों झूलते रहते हैं और लोगों को न्याय की जगह अन्याय मिलता रहता है। अंग्रेजों के जमाने में गुलाम भारत पर जो कानून लादे गए थे, वे अब तक चले आ रहे हैं। स्वतंत्र भारत की सरकारों ने कुछ कानून जरुर बदले हैं लेकिन अब भी पुलिसवाले चाहे जिसको गिरफ्तार कर लेते हैं। बस उसके खिलाफ एक एफआईआर लिखी होनी चाहिए जबकि कानून के अनुसार सिर्फ उन्हीं लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए जिनके अपराध पर सात साल से ज्यादा की सजा हो।

याने मामूली अपराधों का संदेह होने पर किसी को पकड़कर जेल में डालने का मतलब तो यह हुआ कि देश में कानून का नहीं, पुलिस का राज है। इसी 'पुलिस राज' की कड़ी आलोचना जजों ने दो-टूक शब्दों में की है। इस 'पुलिस राज' में कई लोग निर्दोष होते हुए भी बरसों जेल में सड़ते रहते हैं। सरकार भी इन कैदियों पर करोड़ों रु. रोज खर्च करती रहती है। इन्हें जमानत तुरंत मिलनी चाहिए। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 कहती है कि किसी भी दोषी व्यक्ति को पुलिस बिना वारंट गिरफ्तार कर सकती है लेकिन हमारी अदालतें कई बार कह चुकी हैं कि किसी व्यक्ति को तभी गिरफ्तार किया जाना चाहिए जबकि यह शक हो कि वह भाग खड़ा होगा या गवाहों को बिदका देगा या प्रमाणों को नष्ट करवा देगा। इस वक्त तो कई पत्रकारों, नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को सरकारों के इशारे पर हमारी जेलों में ठूंस दिया जाता है। वे जब अपने मुकदमों में बरी होते हैं तो उनके यातना-काल का हर्जाना उन्हें गिरफ्तार करवानेवा लों से क्यों नहीं वसूला जाता?

अंग्रेजी राज के ये अत्याचारी कानून सत्ताधारियों के लिए ब्रह्मास्त्र का काम करते हैं, क्योंकि गिरफ्तार होनेवालों की बदनामी का माहौल एकदम तैयार हो जाता है। बाद में चाहे वे निर्दोष ही साबित क्यों न हो जाएं? जमानत के ऐसे कई मामले आज भी अधर में लटके हुए हैं, जिन्हें बरसों हो गए हैं। दुनिया के अन्य लोकतंत्रों जैसे अमेरिका और ब्रिटेन में अदालतें और जांच अधिकारी यह मानकर चलते हैं कि जब तक किसी का अपराध सिद्ध न हो जाए, उसे अपराधी मानकर उसके साथ दुर्व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और दुनिया की सबसे प्राचीन न्याय-प्रणाली हमारी ही है। हमारे कानूनों में अविलंब संशोधन होना चाहिए ताकि नागरिक स्वतंत्रता की सच्चे अर्थों में रक्षा हो सके। कानूनी संशोधन के साथ-साथ यह भी जरुरी है कि देश में से 'पुलिस राज' को अलविदा कहा जाए।

-वेद प्रताप वैदिक-

सनातन धर्म की आस्था का पहला अध्याय

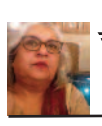

जयश्री बिरमी
अहमदाबाद
गुजरात

सौराष्ट के वेरावल के प्रभात क्षेत्र के मध्य में समुद्र किनारे कई मंदिर बने हुए हैं जिसमे से प्रमुख मंदिर सोमनाथ हैं ,हरेक देशवासी की अपने जीवन काल में एकबार सोमनाथ दर्शन की इच्छा होती ही है।

अभी गुजरात में श्रावण मास चल रहा हैं,उत्तर के राज्यो में नया महीना पूर्णिमा के बाद आने वाली एकम के दिन होती हैं लेकिन गुजरात में अमावस्या के बाद की एकम को होता हैं।सावन के महीने में शिव पूजा का खास महात्म्य होता हैं,और सोमनाथ महादेव जी तो बड़ी आस्था से पूजाङ्कअर्चना की जाती हैं।

वैसे सोमनाथ की स्थापना के पीछे बहुत ही रोचक इतिहास हैं।राजा दक्ष की 27 पुत्रियों से शादी चंद्र यानी कि सोम से हुई थी,अपनी सभी रानियों में से रोहिणी को ज्यादा प्यार और मान सम्मान देने की वजह से बाकि की 26 रानियाँ दुःखी रहती थी।उन्हों ने अपने पिता दक्ष को शिकायत कर दी ।राजा दक्ष ने चंद्र को शाप दिया कि जिस सुंदर शरीर का उसे गर्व हैं उसका धीरे धीरे क्षय हो जायेगा।शापित चंद्र अपने क्षय होते शरीर देख डर के मारे ब्रह्माजी के पास गए,ब्रह्मा जी ने उनको प्रभास की पवित्र जगह पर जा शिवलिंग बना महामृत्यंजय का जप करने के लिए बोला। और चंद्र ने शिवजी के महामृत्युंजय के करोड़ों जाओ किए। अब शाप को समाप्त तो करना असंभव होता हैं तो शिवजी ने उसके असर कम कर दिया की चंद्र का महीने के पहले पक्ष में क्षय होगा और दूसरे पक्ष में विकास होगा ताकि पूर्ण क्षय से बच जायेंगे। जहां चंद्रदेव ने शिव लिंग बना पूजा की थी वही भगवान शिव का मंदिर बनाया जिसे सोमनाथ मंदिर कहा गया क्योंकि चंद्र को सोम भी कहा जाता हैं।इन्हे प्रभास पतन के नाम से भी जाना जाता हैं।वहा तीन नदियों का संगम स्थान हैं,हिरण,कपिला और सरस्वती ,जिसमे स्नान करने का बहुत धार्मिक महात्म्य हैं।

एक और भी कथा हैं,भालुका तीर्थ में जब श्री कृष्ण आराम कर रहे थे तब उनके पांव को हिरण समझ शिकारी ने तीर मारा था, जिसके बाद वे अपने स्वधाम सिधारे थे । यहां भी एक कृष्ण मंदिर हैं।

12 ज्योतिर्लिंगों में ये पहला हैं।इस मंदिर की निर्माण स्वयं श्री चंद्र देव ने करवाया था,जिसका उल्लेख ऋग्वेद में उल्लेख हैं।

सोमनाथ हिन्दुओं के साथ हुए यावनो के आक्रमण से हुए उत्थान और पतन का सटीक उदाहरण हैं।यह वैभवशाली मंदिर को कई बार खंडित किया गया और फिर निर्मित किया गया। ऐसे 14 बार खंडन और निर्माण हुआ हैं। ईसा पूर्व ये मंदिर अस्तित्व में था।गजनवी के अलावा सिंध के अरबी गवर्नर जुनायद ने खंडन किया और पुन्ः निर्माण किया गया।

इतिहास गवाह हैं,अरब यात्री अलङ्क बरूनी ने लिखा है की जब गजनवी ने मंदिर पर 5000 साथियों के साथ लूटा तब हजारों लोग मंदिर में पूजा कर रहे थे उनको भी मार दिया था।तब गुजरात के राजा भीमदेव ने पुन्ः निर्माण करवाया था।815 ईसवी में तीसरी बार पुनर्निर्माण प्रतिहार राजा नागभट्ट ने करवाया था ।फिर दिल्ली के सुल्तान ने गुजरात पर हमला किया तो फिर मंदिर तोड़ दिया जिसे मालवा के राजा भोज ने पुनरोद्धार करवाया था।

बार बार मंदिर खंडित कर दिया गया किंतु शिवलिंग को आंच नहीं आई थी लेकिन ईसवी 1300 में अल्लादीन की सेना ने खंडित किया और इसके बाद कई बार खंडित किया।मना जाता है की आगरा के किले में रखे देवद्वार सोमनाथ मंदिर के हैं,1026 में गजनवी लूटपाट के दौरान इन्हे भी उठा ले गया था।सौराष्ट के माजी मुख्य मंत्री उच्छांगराय ढेबर ने 19 अप्रैल 1940 में यहां उत्खनन करवाया था वहां पुरातत्व विभाग को ब्रह्मशीला पर ज्योतिर्लिंग प्राप्त हुआ था जो स्थापित हैं।सौराष्ट के जामनगर के राजा दिग्विजयसिंह ने 1950 में मंदिर की आधारशिला रखी थी।मंदिर 1962 में पूर्ण रूप से निर्मित हो गया था।जिसमे सरदार पटेल और डॉ राजेंद्रप्रसाद की भूमिकाएं अहम थी।

सब से अदभुत बात हैं मंदिर के दक्षिण भाग में बना बाणस्तंभ है,जिसके ऊपरी हिस्से में एक सांकेतिक तीर का निर्माण हैं जिसका अर्थ हैं कि सोमनाथ मंदिर और दक्षिण ध्रुव के बीच कोई भी भाग नहीं हैं।(आसमंद्रांत दक्षिण ध्रुव पर्यंत अबाधित ज्योतिर्मार्ग) मंदिर के पृष्ट भाग में भी प्राचीन मंदिर हैं जिसे देवी पार्वती जी का मंदिर माना जाता हैं।

नेहरू जी ने जीर्णोद्धार का विरोध किया था किंतु सरदार पटेल की कोशिशों से जीर्णोद्धार हो गया।साहित्यकार और कैनैयालाल मुंशी ने लिखा हैं की÷मेरा स्पष्ट मानना था कि सोमनाथ का मंदिर कोई प्राचीन स्मारक नहीं,बल्कि प्रत्येक भारतीय के हृदय में स्थित पूजास्थल था जिसका पुनर्निर्माण करने के लिए अखिल राष्ट प्रतिबद्ध था÷ क. मा. मुंशी के प्रयास और सौराष्ट की जनता के योगदान से पुनर्निर्माण हो गया।

सनातन धर्म की आस्था का पहला अध्याय

सौराष्ट के वेरावल के प्रभात क्षेत्र के मध्य में समुद्र किनारे कई मंदिर बने हुए हैं जिसमे से प्रमुख मंदिर सोमनाथ हैं ,हरेक देशवासी की अपने जीवन काल में एकबार सोमनाथ दर्शन की इच्छा होती ही है। वेरावल के प्रभात क्षेत्र के मध्य में समुद्र किनारे कई मंदिर बने हुए हैं जिसमे से प्रमुख मंदिर सोमनाथ हैं ,हरेक देशवासी की अपने जीवन काल में एकबार सोमनाथ दर्शन की इच्छा होती ही है

अभी गुजरात में श्रावण मास चल रहा हैं,उत्तर के राज्यो में नया महीना पूर्णिमा के बाद आने वाली एकम के दिन होती हैं लेकिन गुजरात में अमावस्या के बाद की एकम को होता हैं।सावन के महीने में शिव पूजा का खास महात्म्य होता हैं,और सोमनाथ महादेव जी तो बड़ी आस्था से पूजाङ्कअर्चना की जाती हैं।

वैसे सोमनाथ की स्थापना के पीछे बहुत ही रोचक इतिहास हैं।राजा दक्ष की 27 पुत्रियों से शादी चंद्र यानी कि सोम से हुई थी,अपनी सभी रानियों में से रोहिणी को ज्यादा प्यार और मान सम्मान देने की वजह से बाकि की 26 रानियाँ दुःखी रहती थी।उन्हों ने अपने पिता दक्ष को शिकायत कर दी ।राजा दक्ष ने चंद्र को शाप दिया कि जिस सुंदर शरीर का उसे गर्व हैं उसका धीरे धीरे क्षय हो जायेगा।शापित चंद्र अपने क्षय होते शरीर देख डर के मारे ब्रह्माजी के पास गए,ब्रह्मा जी ने उनको प्रभास की पवित्र जगह पर जा शिवलिंग बनने के वहां महामृत्यंजय मंत्र का जप करने के लिए बोला। और चंद्रदेव ने शिवजी के महामृत्युंजय के करोड़ों जाप किए। अब शाप को समाप्त तो करना असंभव होता हैं तो शिवजी ने उसके असर कम कर दिया की चंद्र का महीने के पहले पक्ष में क्षय होगा और दूसरे पक्ष में विकास होगा ताकि पूर्ण क्षय से बच जायेंगे। जहां चंद्रदेव ने शिव लिंग बना पूजा की थी वही भगवान शिव का मंदिर बनाया जिसे सोमनाथ मंदिर कहा गया क्योंकि चंद्र को सोम भी कहा जाता हैं।इन्हे प्रभास पाटन के नाम से भी जाना जाता हैं।वहा तीन नदियों का संगम स्थान हैं,हिरण,कपिला और सरस्वती ,जिसमे स्नान करने का बहुत धार्मिक महात्म्य हैं।

एक और भी कथा हैं,भालुका तीर्थ में जब श्री कृष्ण आराम कर रहे थे तब उनके पांव को हिरण समझ शिकारी ने तीर मारा था, जिसके बाद वे अपने स्वधाम सिधारे थे । यहां एक कृष्ण मंदिर भी हैं।

12 ज्योतिर्लिंगों में ये पहला ज्योतिर्लिंग हैं।इस मंदिर की निर्माण स्वयं श्री चंद्रदेव ने करवाया था,जिसका उल्लेख ऋग्वेद और अन्य ग्रंथों में भी हैं। ईसा पूर्व से मंदिर का अस्तित्व हैं।

सोमनाथ हिन्दुओं के साथ हुए यवनो के आक्रमण से हुए उत्थान और पतन का सटीक उदाहरण हैं।यह वैभवशाली मंदिर को कई बार खंडित किया गया और फिर निर्मित किया गया।महहमद घोरी ने तो 17 बार तोड़ा था और संपत्ति लूट ले गया था। इसके अलावा और भी हमले सोमनाथ मंदिर पर हुए थे।गजनवी के अलावा सिंध के अरबी गवर्नर जुनायद ने खंडन किया और पुन्ः निर्माण किया गया।

इतिहास गवाह हैं,अरब यात्री अलङ्क बरूनी ने लिखा है की जब गजनवी ने मंदिर पर 5000 साथियों के साथ लूटा तब हजारों लोग मंदिर में पूजा कर रहे थे उनको भी मार दिया था। जो बिना हथियार के भी उनकी सैन्य का सामना कर रहे थे।तब गुजरात के राजा भीमदेव ने पुन्ः निर्माण करवाया था।815 ईसवी में तीसरी बार पुनर्निर्माण प्रतिहार राजा नागभट्ट ने करवाया था ।फिर दिल्ली के सुल्तान ने गुजरात पर हमला किया तो फिर मंदिर तोड़ दिया जिसे मालवा के राजा भोज ने पुनरोद्धार करवाया था।

बार बार मंदिर खंडित कर दिया गया किंतु शिवलिंग को आंच नहीं आई थी लेकिन ईसवी 1300 में अल्लादीन की सेना ने शिवलिंग को खंडित किया और इसके बाद कई बार खंडित किया। माना जाता है की आगरा के किले में रखे देवद्वार सोमनाथ मंदिर के हैं,1026 में गजनवी लूटपाट के दौरान इन्हे भी उठा ले गया था।सौराष्ट के माजी मुख्य मंत्री उच्छंगराय ढेबर ने 19 अप्रैल 1940 में यहां उत्खनन करवाया था वहां पुरातत्व विभाग को ब्रह्मशीला पर ज्योतिर्लिंग प्राप्त हुआ था जो स्थापित हैं।सौराष्ट के जामनगर के राजा दिग्विजयसिंह ने 1950 में मंदिर की आधारशिला रखी थी।मंदिर 1962 में पूर्ण रूप से निर्मित हो गया था।जिसमे सरदार पटेल और डॉ राजेंद्रप्रसाद की भूमिकाएं अहम थी।

सब से अदभुत बात हैं मंदिर के दक्षिण भाग में बना बाणस्तंभ है,जिसके ऊपरी हिस्से में एक सांकेतिक तीर का निर्माण हैं जिसका अर्थ हैं कि सोमनाथ मंदिर और दक्षिण ध्रुव के बीच कोई भी भूभाग नहीं हैं।(आसमंद्रांत दक्षिण ध्रुव पर्यंत अबाधित ज्योतिर्मार्ग) मंदिर के पृष्ट भाग में भी प्राचीन मंदिर हैं जिसे देवी पार्वती जी का मंदिर माना जाता हैं।

नेहरू जी ने जीर्णोद्धार का विरोध किया था किंतु सरदार पटेल की कोशिशों से जीर्णोद्धार हो गया।साहित्यकार और समाज सुधारक कैनैयालाल मुंशी ने लिखा हैं ,÷मेरा स्पष्ट मानना था कि सोमनाथ का मंदिर कोई प्राचीन स्मारक नहीं,बल्कि प्रत्येक भारतीय के हृदय में स्थित पूजास्थल था जिसका पुनर्निर्माण करने के लिए अखिल राष्ट प्रतिबद्ध था÷ क. मा. मुंशी के प्रयास और सौराष्ट की जनता के योगदान से पुनर्निर्माण हो गया।वैसे सोमनाथ की ऐतिहासिक,सामाजिक और धार्मिक महहत्ता का कोई जोड़ नहीं हैं

खनकती आवाजों की मल्लिका बनी:अभिलिप्सा पांडा

हर-हर शंभू ,शिव महादेवा वाइरल एलबम की गायिका

लाल बिहारी लाल
नई दिल्ली

उड़िया ,तेलगु के रास्ते हिंदी भजन में कैरियर की शुरुआत करने वाली खनकती आवाजों की मल्लिका अभिलिप्सा पांडा का जन्म ब्राह्मण परिवार में सन 2001 में उड़सिा के बारबिल गांव जिला क्योझोर में हुआ था।

अभिलिप्सा पांडा को संगीत विरासत में इनके दादा से मिला है जो अपने ज़माने में हारमोनियम बजाने के लिए प्रसिद्ध थे। अभिलिप्सा का कहना है की पहली बार उनकी माताजी ने उन्हें गायत्री मन्त्र के जरिये संगीत से जोड़ा था जब वो एल.के.जी कक्षा में केवल 4 वर्ष की थी। तभी से उड़ीसी क्लासिकल वोकल सीखना शुरू कर दिए था। लेकिन कुछ कारण वश उन्हें विराम देना पड़ा।

अभिलिप्सा ने 2015 में द्रौपदी देवी कल्चरल इंस्टिट्यूट से हिंदुस्तानी वोकल सीखना शुरू किया। जब वह सिख रही थी तभी उनके गुरु ने उनसे पूछा कि क्या वह एक बच्चो के गाने को अपनी आवाज़ देंगी, तो इस पर अभिलिप्सा ने हाँ कर दी और इस प्रकार उन्होंने सिंगिंग इंडस्ट्री में पहला कदम रखा। साल 2017 ङ्क 18 में उन्होंने हिंदुस्तानी क्लासिकल वोकल में गवर्नर्स ट्रॉफी भी हासिल की। अभिलिप्सा ने एक ओड़िआ रियलिटी शो, उड़ीसा सुपर सिंगर में भी भाग लिया है। कुछ समय बाद ओडिसा सुपर सिंगर के निर्माताओं ने अभिलिप्सा की एक वीडियो क्लिप अलग-अलग सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। यह क्लिप जीतू शर्मा ने देखा,जो काफी पसंद आया और फिर उन्होंने अभिलिप्सा के साथ हर हर शम्भू गाना गया जो संस्कृत मिक्स है और इसका संगीत दिया है युवा संगीतकार आकाश देव ने। जो 5 मई 2022 को यू ट्यूब पर चढ़ाया गया है और इतना तेजी से दर्शको के बीच लोकप्रिय हुआ है कि आज लगभग दो महिने में 70 मिलियन से ज्यादा लोगो ने देखा है। इसके बाद दो गीत मंजिल केदारनाथ और भोले नाथ जी भी आये हैं जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया है। आशा है अभिलिप्सा अपने गायिकी कैरियर को एक नया मुकाम तक ले जायेंगी।

चीन का सियासी दखल?

हाल में ये संकेत मिले कि नेपाल में अमेरिका चीनी प्रभाव पर भारी पड़ रहा है। लेकिन अगले आम चुनाव के बाद ये सूरत फिर बदल सकती है। इसीलिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के दल की नेपाल यात्रा खास हो गई है।

नेपाल की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप नई बात नहीं है। जब से वहां राजतंत्र खत्म हुआ और कम्युनिस्ट पार्टियों का प्रभाव बढ़ा, चीन की वहां खास भूमिका बनी है। हाल में ये संकेत जरूर मिले कि अमेरिका चीनी प्रभाव पर भारी पड़ रहा है। लेकिन अगले आम चुनाव के बाद ये सूरत फिर बदल सकती है। इस पृष्ठभूमि के कारण ही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल की मौजूदा नेपाल यात्रा खास हो गई है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्टीय संपर्क विभाग के नए प्रमुख लिउ जियानचाओ के नेतृत्व मे ये दल चार दिन की नेपाल यात्रा पर है। लिउ उस समय यहां पहुंचे हैं, जब नेपाल में चुनाव का माहौल गरमा रहा है। साथ ही नेपाल की अलग-अलग कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच एकता की संभावना भी तलाशी जा रही है। लिउ और चीनी दल काठमांडू में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के प्रमुख केपी शर्मा ओली से भी मिलेगा। प्रश्न है कि क्या लिउ कम्युनिस्ट पार्टियों की एकता पर जोर डालेंगे?

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश संपर्क विभाग में जून में फेरबदल हुआ। तब लिउ को इसका प्रमुख बनाया गया। ये पद संभावने के तुरंत बाद उन्होंने दहल और ओली से वीडियो माध्यम से बातचीत की थी। अब वे काठमांडू पहुंच गए हैं। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों पर चीन का स्पष्ट प्रभाव रहा है। कुछ ही दिन पहले पुष्प कमल दहल ने समाजवादी विचारधारा में यकीन रखने वाली पार्टियों का मोर्चा बनाने की बात कही थी। यह कयास लगाया गया है कि क्या इसके लिए उन्हें लिउ ने प्रेरित किया?

आगे अषाढ़े सावन महीना के

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

हो जा तियार सँगी
होगे बिहान सँगी।
करले तियारी नांगर बइला के
आगे अषाढ़े सावन महीना के।
हो जा तियार...
नांगर बइला ल साज नंगरिया
होगे हावय पहाती बिहनिया
रापाँ गैंती ल धरले कोपरिया
धरले धान बिजहा के डलिया
धर ले तुतारी सँगी
धर ले कुदारी सँगी
आगे अषाढ़े सावन...
चारो मुड़ा अउ चारो डाहर म
गोबर खातु ल चल बगराना हे
झऊहा रापाँ म जोर-जोर के
खातु खेत भर-भर पलाना हे
काँटा ल बिन ले सँगी
कांदी ल खन ले सँगी
आगे अषाढ़े सावन...
बइला फन्दागे हे धरले हराई
टुकनी म धरले न धाने धनाइ
बेरा झन होवय धाने बोवाँई
धर के नांगर करले जोताई
कुहकी ल मार सँगी
नांगर किंजार सँगी
आगे अषाढ़े सावन...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

2 एक्सप्रेस तथा 2 पैसेंजर स्पेशल गाड़ियों का परिचालन पुनःप्रारम्भ

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी बेहतर यात्रा सुविधा हेतु गाड़ियों का परिचालन पुनः प्रारम्भ किया जा रहा है । इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली 02 एक्सप्रेस तथा 02 पैसेंजर स्पेशल गाड़ियों का परिचालन पुनः प्रारम्भ किया जा रहा है 7 जिसमें अम्बिकापुर-शहडोल-अम्बिकापुर एक्सप्रेस तथा चिरिमिरी-अनूपपुर-चिरिमिरी पैसेंजर स्पेशल शामिल है।

गाड़ी संख्या 18756 अम्बिकापुर-शहडोल एक्सप्रेस का परिचालन दिनांक 25 जुलाई 2022 से आगामी सूचना तक प्रतिदिन किया जाएगा 7 यह गाड़ी अम्बिकापुर से 09 बजे छूटेगी तथा 09.16 बजे बिश्रामपुर, 09.35 बजे सुरजपुर, 10.03 बजे बैकुंठपुर, 11.15 बजे बिजुरी, 11.49 बजे कोतमा, 12.45 बजे अनूपपुर, 13.07 बजे बुढ़ार होते हुये 13.30 बजे शहडोल स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 18755 शहडोल-अम्बिकापुर एक्सप्रेस का परिचालन दिनांक 25 जुलाई 2022 से आगामी सूचना तक प्रतिदिन किया जाएगा 7 यह गाड़ी शहडोल से 14.30 बजे छूटेगी तथा 14.46 बजे बुढ़ार, 15.15 बजे अनूपपुर, 15.50 बजे कोतमा, 16.15 बजे बिजुरी, 17.25 बजे बैकुंठपुर रोड़, 18.07 बजे सुरजपुर रोड़, 18.52 बजे बिश्रामपुर होते हुये 21.00 बजे अम्बिकापुर स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 08269 चिरिमिरी-अनूपपुर पैसेंजर स्पेशल का परिचालन दिनांक 26 जुलाई 2022 से आगामी सूचना तक प्रतिदिन किया जाएगा 7 यह गाड़ी चिरिमिरी से 09 बजे से छूटेगी तथा 10.10 बजे बिजुरी, 10.35 बजे कोतमा होते हुये 11.30 बजे अनूपपुर स्टेशन पहुंचेगी 7

गाड़ी संख्या 08270 अनूपपुर-चिरिमिरी पैसेंजर स्पेशल का परिचालन दिनांक 26 जुलाई 2022 से आगामी सूचना तक प्रतिदिन किया जाएगा 7 यह गाड़ी अनूपपुर से 18.00 बजे छूटेगी तथा 18.30 बजे कोतमा, 19.00 बजे बिजुरी होते हुये 20.45 बजे चिरिमिरी स्टेशन पहुंचेगी।

दो करोड़ से अधिक के शासकीय राशि का फर्जीवाड़े कर गबन करने की शिकायत पर कार्रवाई का आदेश

-नगर संवाददाता-

अंबिकापुर/बलरामपुर ,18 जुलाई 2022(घटती-घटना)। । बलरामपुर जिले के रामानुजगंज में जल संसाधन संभाग क्रमांक-2 के एसडीओ एवं इंजीनियर के द्वारा बिना कार्य कराए दो करोड़ से अधिक के शासकीय राशि को फर्जीवाड़े कर गबन करने की शिकायत पर सरगुजा संभाग के आयुक्त ने कलेक्टर बलरामपुर को कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। मामले में शिकायतकर्ता आरटीआइ कार्यकर्ता व अधिवक्ता डीके सोनी ने अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की है।

आयुक्त सरगुजा संभाग से की गई शिकायत में सूची संलग्न कर उल्लेख किया गया था कि 220.56 लाख रुपये का भुगतान जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी सर्वेक्षण एवं अनुसंधान उप संभाग रामानुजगंज के तत्कालीन प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजेंद्र प्रसाद सिंह व उप अभियंता सुजीत कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया है। सूची में दिए गए कार्यों के कार्य स्थल का निरीक्षण कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग क्रमांक-2 रामानुजगंज ने किया, जिससे ज्ञात हुआ कि वर्ष 2021-22 के दौरान

कराए गए सर्वेक्षण का कार्य फर्जी एवं गुणवत्ता विहीन है। कार्यस्थल पर किसी तरह का कोई चिन्हांकन नहीं है। अनुविभागीय अधिकारी एवं उप अभियंता द्वारा कागजों में फर्जी तरीके से कार्य अंकित कर संबंधित एजेंसियों के नाम पर फर्जी भुगतान कराया गया है, जो एक आपराधिक कृत्य है। फर्जी तरीके से सर्वे कर राशि आहरण करने के संबंध में कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग क्रमांक 2 ने प्रमुख अभियंता (डाटा सेंटर) जल संसाधन विभाग शिवनाथ भवन नया रायपुर को पत्र लिखकर भुगतान की गई शासकीय राशि की वसूली करने का आग्रह किया है। आरोप है कि उक्त दोनों अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त रुप से षड्यंत्रपूर्वक शासकीय राशि का फर्जी दस्तावेजों के सहारे आहरण किए हैं। दोनों अधिकारियों के अलावा अन्य लोग जिसको उपरोक्त राशि भुगतान किया गया है तथा उक्त राशि का चेक जिनके नाम से काटा गया है, वह भी उक्त अपराध में शामिल हैं। क्योंकि बिना सर्वे का कार्य कराए सूची के अनुसार दो करोड़ से ज्यादा की राशि का भुगतान फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किया गया है, जो अपराधिक कृत्य है। इसलिए उपरोक्त दोनों व्यक्तियों के विरुद्ध शासकीय राशि का गबन करने के लिए, फर्जी दस्तावेज तैयार करने एवं कूटरचना के संबंध में अपराध पंजीबद्ध किया जाना आवश्यक है। उक्त शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त सरगुजा संभाग द्वारा कलेक्टर बलरामपुर को पत्र लिखकर यथोचित कार्रवाई करते हुए कार्रवाई से कार्यालय को अवगत कराने का आदेश दिया गया है।

सावन महीने के पहले सोमवार पर शिवालयों में लगी भक्तों की भीड़

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सावन महीने के पहले सोमवार को शहर के शिवालयों में हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में खासी भीड़ रही। वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों को तांता लगा रहा है। भोले भक्त बेलपत्र, फूल, दूध, दही, घी एवं जल से भगवान का अभिषेक किया। सावन के पहले सोमवार को लेकर भक्तों के लिए शहर ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों में तैयारियां दो दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी। भक्तों को इसी तरह की कोई परेशानी ना हो इसके लिए समिति द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी।

गौरतलब है कि सावन माह के पहले सोमवार को शिवलिंगों का दूध, जल से अभिषेक किया गया। शहर के शंकर घाट स्थित शिव मंदिर, जोड़ा पीपल शिव मंदिर, सांडबार बैरियर, गांधीनगर, नामनाकला, गंगापुर सहित अन्य शिव मंदिरों में भी सुबह से भक्तों की भीड़ लगी रही। योग भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख शांति की कामना की। नामनाकला शिव मंदिर के पुजारी ने बताया कि सावन मास में सोमवार का विशेष महत्व है। इस दिन को भगवान शिव का स्वरूप माना गया है। सावन मास में भगवान आशुतोष की पूजा का विशेष महत्व है। जो भक्त प्रतिदिन नियम पूर्वक पूजा न कर सके, उन्हें सावन मास में शिव पूजा और व्रत रखना चाहिए। सावन महीने में जितने भी सोमवार होते हैं शिवजी का व्रत किया जाता है।

भक्तों ने शंकर घाट से उठाया जल शहर के शंकर घाट स्थित शिव मंदिर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस दौरान शंकर घाट स्थित जलाशय में स्नान कर श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दूध अभिषेक कर पूजा अर्चना की। यहां देर शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वहीं शहर व आसपास के कांवरियों ने शंकर घाट स्थित जलाशय से जज उठाकर गांधीनगर स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। सावन का महीना हिंदू धर्म में काफी पवित्र माना गया है। वही सावन महीने का विशेष महत्व सोमवार और बढ़ जाता है। ईश्वर सावन मास के पहले सोमवार पर मंदिरों के बाहर भंडारे व प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया था। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना के बाद भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

कैबिनेट का विश्वास खो चुके हैं सीएम बघेलःअनुराग सिंहदेव

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2022(घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार की वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और बदलते घटनाक्रम पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता एवम देवनाथ सिंह पैकरा, मंडल अध्यक्ष मधु सूदन शुक्ला, विनोद हर्ष, संवाद प्रमुख संतोष दास, रूपेश दुबे एवं अजय प्रताप सिंह की उपस्थिति में अनुराग सिंह देव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है। जनता के भरोसे को छलने वाली सरकार सत्ता में रहने का अधिकार खो चुकी है। अब तक भाजपा जब आरोप लगाती थी तो कांग्रेस उसे विपक्ष के द्वारा बेवजह लगाए गए आरोप बताती रही। कांग्रेस सरकार के दिग्गज मंत्री, राज्य सरकार में नंबर 2 का स्थान रखने वाले, मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार टीएस सिंहदेव ने जो बातें अपनी चिट्ठी में लिखी है, उसका एक-एक शब्द प्रदेश की जनता के साथ हुए भयंकर षडयंत्र और धोखे को बयां कर रहा है। भाजपा लगातार यह सवाल उठाती भी रही है।

आगे उन्होंने कहा कि अगर इस पत्र पर ही भरोसा करें तो भी प्रधानमंत्री आवास के 8 लाख परिवारों यानी लगभग 40 लाख लोगों से राज्य सरकार ने छत छीनने का काम किया। हालांकि यह आँकड़ा अब 16 लाख आवास तक पहुंच गया है। कुल 80 लाख लोगों को बेघर करने का पाप भूपेश सरकार ने किया है। यह आपराधिक कृत्य है। लोग एक घर बनाने में टूट जाते हैं, इन्होंने तो बस्तियाँ उजाड़ दी, बसने नहीं दी। केंद्र से इतनी बड़ी मदद मिलने के बाद भी राज्य की कांग्रेस

सरकार ने अपने हिस्से की राशि न देकर प्रदेश के गरीबों के साथ यह सबसे बड़ा अत्याचार किया है। कांग्रेस के खुद के घोषणा पत्र में ग्रामीण इलाको में रह रहे लोगो को आवास देने की बात प्रमुखता से है न राज्य सरकार में केंद्र के आवास जनता तक पहुंचने दिए न खुद उन्होंने कोई आवास गरीबों को दिया।

गरीबों को बेघर रखने को साजिश करने वाले यह सरकार किस आधार पर अब तक बनी हुई है।प्रदेश में रोजगार के बड़े बड़े झूठे दावे पेश करने वाली सरकार ने मनरेगा में काम करने वाले साथियों से साजिशन हड़ताल करवाई है व उनके हक का 1250 करोड़ खाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए आज उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसे कौन सी सरकार है जो अपने ही प्रदेश के लोगों के साथ साजिश रचती है ऐसे साजिश रचने वाले मुख्यमंत्री किस आधार पर पद पर बने हुए है?

पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों को लागू करने के लिए पंचायत विभाग के मंत्री के बार बार आपको कहा फिर भी आपने पंचायत व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया जो सविधान द्वारा जनता के हित के लिए बनाई गई सर्वोत्तम व्यवस्थाओं में एक है। सही लोगों को काम से निकालकर अनुचित कार्य करने वालो लोगो को काम पे रखा गया किसलिए ताकि वो भ्रष्टाचार में आपका साथ दे? कांग्रेस सरकार के वरिष्ठ मंत्री द्वारा लिखी गई चिट्ठी का एक-एक शब्द जनता को एक बाण की चुभ रहा है। आपने जनता के साथ एक बड़ा धोखा कर दिया है अब आपकी पूरी राज्य सरकार को बर्खास्त हो जाना चाहिए ऐसी धोखेबाज सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नही है।

देश में कभी भी ऐसा नहीं हुआ जब नौकरशाही को चुने हुए प्रतिनिधि से ऊपर रखा गया हो। प्रदेश कैबिनेट से ऊपर मुख्य सचिव को रख देना, एक तरह से संविधान की, लोकतंत्र की हत्या है। निजी खुन्नस में सीएम बघेल ने लोक लाज, लोकतांत्रिक मर्यादा सबको ताक पर रख दिया। ऐसे अभद्र और असंसदीय आचरण के लिए प्रायश्चित करना चाहिए बघेल जी को। मुख्यमंत्री पद तो छोड़ियै, भूपेश जी वास्तव में राजनीति के लायक़ ही नहीं हैं। अनुराग सिंह देव ने चुट्किले अंदाज़ में कहा कि भर पेट गुड़ खा कर गुलगुला से परहेज करने वाले ये भूल रहे हैं कि शोले फ़िल्म के जय और वीरू की जोड़ी में एक ही रह गया था, सी एम बघेल के पाले में गेम है, अब देखना है कि दोनों में से कौन आउट होता है।

जेल पहुंचकर बंदी का कराया गया ई-केवायसी पूर्ण

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार कृषि विभाग के अधिकारी पीएम किसान सम्मान निधि हेतु किसानों का ई-केवायसी का लक्ष्य पूरा करने जोर शोर से जुटे है। किसानों के घर जाकर फार्म पर हस्ताक्षर व आधार सत्यापन के लिए अंगूठे का निशान ले रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को केंद्रीय जेल के एक बंदी किसान का ई-केवायसी के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा कारागृह पहुंचकर फार्म पर हस्ताक्षर कराकर व थंब इम्प्रेशन लेकर ई-केवायसी पूरा कराया गया।

खाद संकट को लेकर भाजपा किसान मोर्चा आंदोलन करने की बाध्य

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2022(घटती-घटना)। आज भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश संगठन के आह्वान पर भाजपा जिला अध्यक्ष सरगुजा ललन प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में व किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जनमेजय मिश्रा के नेतृत्व में सरगुजा के किसानों को हो रहे खाद संकट, रासायनिक खादों की कालाबाजारी व अघोषित बिजली कटौती की समस्या का तीन दिवस के भीतर समाधान करने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा

इस सम्बंध में किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जनमेजय ने बताया कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां कांग्रेस सरकार किसानों को जिस प्रकार प्रारंभिक चरण से ही प्रताड़ित कर रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि एक किसान खेती प्रारंभ करने से पूर्व खाद समिति पहुंचता है और वहां से खाद, बीज व कर्ज लेता है किंतु आज खाद समितियों में खाद की आपूर्ति नहीं किए जाने के चलते किसान चिंतित है। ऐसी दशा में वह प्राइवेट दुकानों से खाद की खरीदी करने हेतु मजबूर हैं जहां से कालाबाजारी स्वरूप दुगुने व तिगुने दामों पर खाद की खरीदी हेतु किसान बाध्य है व छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ साथ सरगुजा जिले के किसानों को गुणवत्ता विहीन वर्मी कंपोस्ट खाद जबरिया थमाया जा रहा है वहीं सरप्लस बिजली उत्पादन वाले राज्य में बिजली की अघोषित कटौती से किसान अलग चिंतित है। कहीं बिजली दिनभर तो कहीं सप्ताह पंद्रह दिनों तक बंद रहती है। चूंकि अभी रोपाई का समय है और अभी खेतों में पानी आवश्यक है ऐसे समय पर बिजली कटौती करना दुर्भाग्यजनक है। इन दोनों समस्याओं को लेकर प्रदेश के किसान अत्यंत चिंतित व प्रताड़ित है। किसानों के साथ हो रहे इस अन्याय की लड़ाई में भारतीय जनता पार्टी सदैव तत्पर खड़ी है अगर तीन दिवस के भीतर यदि खाद समितियों में खाद की पर्याप्त आपूर्ति नहीं की गयी, रासायनिक खादों की कालाबाजारी व बिजली की अघोषित कटौती तत्काल बन्द नहीं की गयी, तो दिनांक 22 जुलाई को प्रदेश सहित सरगुजा भाजपा व किसान मोर्चा छत्तीसगढ़ के द्वारा समस्त साख समितियों में आंदोलन के साथ साथ राज्य सरकार का पुतला दहन करेगी करेगी। व प्रदेश के समस्त बिजली विभाग के कनिष्ठ यंत्री / सब स्टेशन / विद्युत वितरण केंद्र कार्यालय का घेराव कर विरोध दर्ज करेगी आज ज्ञापन सौपने में भाजपा मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, सोमनाथ सिंह,मनोज कंसारी,राजू पांडे,काशी केसरी,अजय सिंह,सुनील बघेल,नछत्तर सिंह,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष मनीष बारी, मनोज प्रसाद अमित पटेल,संतोष साहू अभिमन्यु श्रीवास्तव, संभु सोनी,दारा सिंह,बुधमेत,जितेन्द्र प्रसाद,मुंशी जी ,विक्कू के साथ साथ किसान मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल रहे ।

वित्तीय अनियमितता का विरोध करना पड़ा महंगा

नॉन परफॉर्मेंस का आरोप लगाकर शाखा प्रबंधक को किया गया बर्खास्त

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2022(घटती-घटना)। अम्बिकापुर में हिंदूजा लीलैंड फाइनेंस के शाखा प्रबंधक को स्टेट हेड शशि गुमां ने रेपो सोल्ड में वित्तीय अनियमितता का विरोध करने पर बिना नोटिस दिए नॉन परफॉर्मेंस का आरोप लगाकर बर्खास्त कर दिया है.. वहीं शाखा प्रबंधक का समर्थन करते हुए कंपनी में कार्यरत करीब 15 कर्मचारियों ने एक साथ अपना इस्तीफा कंपनी को दिया है.. हिंदूजा लीलैंड फाइनेंस के शाखा प्रबंधक ने बताया कि पिछले पांच सालों से कंपनी में कार्य कर रहा हूं... कंपनी के एच आर ने बिना लीगल नोटिस दिए मुझे 24 घंटो के भीतर ईमेल के जरिए बर्खास्त का नोटिस भेज दिया है..जबकि पिछले कई सालों से अच्छा प्रदर्शन करने पर प्रदेश में तीसरे स्थान पर था.. वहीं नए स्टेट हेड शशि गुमां के आने के बाद कंपनी में सीजिंग वाहनों के बिक्री को लेकर वित्तीय अनियमितता की जा रही थी..जिसका विरोध करने पर मुझ पर इस्तीफा देने का मानसिक दबाव बनाया गया... लेकिन मेरे द्वारा इस्तीफा नहीं दिया गया तो मुझे नॉन परफॉर्मेंस का आरोप लगाते हुए बर्खास्त कर दिया गया है.. वहीं कंपनी के कर्मचारियों का कहना है कि शाखा प्रबंधक के साथ कंपनी एच आर और स्टेट हेड ने साजिश करते हुए बिना लीगल नोटिस दिए बर्खास्त कर दिया है जिसके विरोध में 15 कर्मचारियों ने कंपनी से एक साथ इस्तीफा दे दिया है।

बच्चों के 54 प्रकार के अधिकार का यूनिसेफ ने कराया अवगत

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,18 जुलाई 2022(घटती-घटना)। बच्चों का विकास सुनिश्चित करने हेतु उनके अधिकारों की रक्षा करना आवश्यक है। सभी आवश्यक अधिकार व सुविधाएँ उन तक पहुंचे यह समाज का बुनियादी कर्तव्य है। बाल हितैषी गांव बनाने के लिए केंद्रीय पंचायत मंत्रालय ने 30 संकेतक चिन्हित किये हैं। जिसके उचित क्रियान्वयन से बाल हितैषी गांव बनाये जा सकते हैं। यह बात यूनिसेफ द्वारा आयोजित बाल अधिकार वेधशाला में सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, जशपुर एवं मनेन्द्रगढ़ से पहुंचे त्रिस्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था से जुड़े जनप्रतिनिधियों से बात करते हुए यूनिसेफ के कएम्युनिकेश स्पेसलिस्ट सैम सुधीर बांडी ने प्रजेंटेशन के माध्यम से कही। उन्होंने प्रजेंटेशन के माध्यम से बच्चों के 54 प्रकार के अधिकार एवं 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए सरकार से मिले अधिकारों से अवगत कराया सहित सेफ एवं अनसेफ टच, चाईल्ड लाईन सहित विभिन्न विषयों को लेकर होटल एवलॉन में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी दी। इसके पश्चात जनप्रतिनिधियों के बीच सामुहिक चर्चा की गई और उनसे उनके क्षेत्र में बच्चों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

इस दौरान सीतापुर के जनपद उपाध्यक्ष शैलेष सिंह ने कहा कि सर्वप्रथम हमें अनुशासन की आवश्यकता है। बच्चों को अधिकार तो दिया जायेगा, लेकिन उन्हें भी एक अनुशासन में बंधना होगा। अनुशासन में जब तक हर कोई जनप्रतिनिधि, आम जनता, माता-पिता, शिक्षक, बच्चे सभी अनुशासन में नहीं बंधेंगे तब तक सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

बलरामपुर के जनपद अध्यक्ष विनय पैकरा ने बताया कि मैं बच्चों के माध्यम से ही। अपने मतदाताओं तक पहुंचता हूँ, स्कूल, कॉलेज, आंगनबाड़ी में लगातार जाता हूँ, बच्चों को कुछ न कुछ अलग कार्य के लिए हमेशा प्रोत्साहित करता हूँ। स्कूल एवं आंगनबाड़ी को कैसे सुंदर, स्वच्छ बनाया जाये इस पर कार्य कर रहे हैं और आज यूनिसेफ के इस कार्यक्रम में जो 30 बाल हितैषी संकेतक बताये गए हैं, उस पर कार्य कर, आप सभी से सहयोग लेकर और अच्छा कार्य करेंगे। जिला पंचायत सदस्य सरला सिंह ने सेफ स्कूल और आंगनबाड़ी कैसे बने इस पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि हम सब को डीसीप्लेन, लिमिटेशन और टाइम मैनेजमेंट से हर कार्य को बांधने की आवश्यकता है, तभी हम बेहतर कार्य बच्चों के लिए कर सकते हैं। हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं कि शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर लगातार कार्यरत हैं, आप के सहयोग से जरूर ऐसे मॉडल गाँव बनाएंगे जो बाल हितैषी हो। जनपद उपाध्यक्ष लखनपुर अमित सिंहदेव ने कहा कि हम सब बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य, खेल सुविधा और अच्छे विकास के लिए सतत प्रयत्नशील हैं, आप सभी के सहयोग से बच्चों के बेहतर विकास हेतु लगातार कार्य करेंगे। जनपद अध्यक्ष भोजवंती सिंह ने क्षेत्र में महिलाओं और लड़कियों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए और अच्छा करना है आप सब सहयोग दें और वेधशाला से मिले सुझावों को लागू करेंगे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया रेणुका सिंह ने अपना सुझाव रखते हुए कहा कि क्षेत्र में नशा के रोकथाम हेतु कार्य करने की आवश्यकता है। नशा हर एक परेशानी का कारण है चाहे वह शिक्षा हो, गरीबी हो अथवा बीमारी हर जगह यदि मूल बात जब ढूंढेंगे तो पाएंगे कि कहीं न कहीं नशा के कारण समाज खासकर हमारा आदिवासी समाज परेशानी में है। बिहारी लाल तिर्की, जनपद सदस्य लखनपुर ने कहा कि हमारे आदिवासी भाईयों के लिए सरकार की तमाम योजना है लेकिन उसका सही तरीके से प्रचार प्रसार नहीं होने से उन तक नहीं पहुंच पाता है। यदि सरकार की सभी योजनायें ही सही तरीके से मिलने लगे तो बच्चों का सर्वांगीण विकास हो जायेगा। ममता चौहान, यूनिसेफ डीएमसी ने कहा कि मैंने अभी सुना कई जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को लेकर कई तरह की समस्या और समाधान दिया, मेरा मानना है कि हम बच्चों को केवल स्कूल में पुस्तकें पढ़ने नहीं भेजते, हम वहां पर सीखने भेजते हैं, जहां पढ़ाई के साथ-साथ हर तरह की शिक्षा और सीख है, इस ओर भी हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के विशेषज्ञों का परिचय एवं विषय-बिंदु मानव संसाधन संस्कृति विकास परिषद के मनोज भारती ने दी। कार्यक्रम का संचालन चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के मंगल पांडेय एवं छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान के अनिल मिश्रा ने किया। नव युवा जागरण संस्था से राणा प्रताप सिंह ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों के अधिकारों पर सरगुजा साइंस ग्रुप के अंचल ओझा ने भी अपने सुझाव दिये। शियती फाउंडेशन से सुनिधि शुक्ला, मुस्लिम महिला लोक सेवा समिति से सुल्ताना सिद्दीकी एवं नसरीन एहसन, जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विभिन्न जिलों से पहुंचे जनपद पंचायत सदस्य सुशीला, सहित नगर पंचायत जरही के अध्यक्ष बीजू दासन सहित काफी संख्या में जिला पंचायत एवं जनपद सदस्य उपस्थित थे। वहीं यूनिसेफ के साथ जुड़कर बच्चों के मुद्दे पर कार्य कर रहे एनजीओ के प्रतिनिधि एवं पत्रकारगण गिरधर कुमार, सुनील ठाकुर, सूरज गुप्ता, क्रांति रावत, ललन सिंह, अफरोज खान, मनोज कुमार सहित यूनिसेफ के स्टेट कोऑर्डिनेटर संदीप कुमार राव सहित काफी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों की उपस्थिति रही।

विधायक जी कितने देर लगे रहे खेती किसानी में या खेती किसानी फोटो तक रही ?

» क्या विधायक जी को चुनाव नजदीक आते ही याद आई खेती करते किसानों की ?

» विधायक जी को आने वाला विधानसभा चुनाव प्रेम है या फिर वाकई में किसानों से प्रेम है ?

» विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में कांवर से धान के पौधे को ढोते देखे गए मनेंद्रगढ़ विधायक।

» किसी ने लिखा विधायक जी का किसानों से है क्षेत्र की जनता से है प्रेम।

» कुछ ने कहा दिखावा कर रहें हैं विधायक जी,असल मे हैं वह असली ठेकेदार।

» अब क्या सच मे विधायक जी को खेती किसानी और क्षेत्र के किसानों से है प्यार।

» कहीं चुनाव के समीप होने के कारण यह दिखावा है,ऐसा कहने वालों की बातें तो सही नहीं हैं।

» मनेंद्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल के इस तस्वीर को सोशल मीडिया में किया जा रहा पोस्ट।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। अविभाजित कोरिया जिले के विधानसभा मनेंद्रगढ़ के विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल की एक तस्वीर सोशल मीडिया में डाली गई है जिसमे विधायक जी कांवर जिसे गांव में खेती किसानी का सामना लाने,धान के पौधों को ढोने में प्रयोग किया जाट है में धान के पौधों को ढोते दिखाया गया है। पौधों को कावंर में उठाकर विधायक जी खेत की मेढ़ पर चलकर उसे जहां उन्हें रोपना है वहां ले जा रहें हैं यह साफ समझ मे आ रहा है। वहीं तस्वीर में बहोत सारे लोग खड़े होकर विधायक जी का मेहनत देख रहें हैं यह भी समझ मे आ रहा है। विधायक जी किसकी खेत मे कांवर ढो रहे हैं यह तो पता नहीं चल रहा है लेकिन यह उनके विधानसभा क्षेत्र के किसी खेत की तस्वीर है यह समझा जा सकता है। विधायक जी के इस तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया में एक पोस्ट डाली गई है यह लिखा गया है कि विधायक जी को स्वांग करना पड़ रहा है और खुद को आम बताने का प्रयास किया जा रहा वहीं कुछ ने उसी पोस्ट में लिखा है कि विधायक जी की केवल ठेकेदारी बढ़िया है क्षेत्र को लेकर उन्होंने कुछ खास नहीं किया जिसका जनता उन्हें जवाब देगी। विधायक जी ने जो तस्वीर खिंचवाई है उसमें कांवर में धान के पौधे तो नजर आ रहें हैं लेकिन पौधे खेत के भीतर रोपण स्थान तक पहुंचाने की उसमें तस्वीर नहीं जिससे साफ जाहिर होता है कि विधायक जी ने खेत की मेढ़ से मेढ़ तक पौधों को पहुंचाकर खुद को आम आदमी साबित करने का पूरा प्रयास किया खासकर उन्होंने किसानों को लेकर पूरी सहानुभूति प्रकट कर डाली। मनेंद्रगढ़ विधानसभा में मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान भी मुख्यमंत्री के लिए ऐसा ही इवेंट कार्यक्रम उन्होंने आयोजित किया था और बिना जुताई किये खेत मे मुख्यमंत्री से धान के बीजों की बोनी कराई थी जिसको लेकर भी बातें सामने आई थीं और अब खुद एक इवेंट करते नजर आ रहें हैं विधायक जी। विधायक जी आजकल काफी सक्रिय हैं अपने विधानसभा में और खासकर सोशल मीडिया में जिसमे वह स्कूटी और मोटरसायकल पर भ्रमण करते नजर आतें हैं और अपनी लाइव वीडियो शेयर कर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। विधायक जी को चुनाव नजदीक आने पर अब क्षेत्र की जनता और उनका जीवन यापन और उनकी स्थिति समझ मे आ रही है यह भी लोगों का सोशल मीडिया में कहना है।

कबाड़ पकड़कर भी फोटों न खिंचवाने लगें विधायक जी,सोशल मीडिया कमेंट

विधायक जी का धान का पौधा कांवर में ढोते फोटो जैसे ही वायरल हुआ कुछ ने यह कमेंट करने से भी गुरेज नहीं किया कि अब चुनाव नजदीक है और कहीं विधायक जी अपनी सक्रियता दिखाने खुद कबाड़ पकड़ते न फोटो खिंचाने लगें, कमेंट में यह भी लिखा गया है कि अवैध कारोबार रोकने विधायक जी ने अपनी ही सरकार की पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा ही है अब ऐसी कोई तस्वीर सामने आए तो आश्चर्य की बात नहीं होगी।

विधायक का प्रतिदिन सोशल मीडिया पर जारी रहता है इवेंट

कुछ लोगों का कहना है कि विधायक जी का सोशल मीडिया इवेंट जारी है। कभी स्कूटी से कभी मोटरसाइकिल से कभी इस तरह धान के पौधों को कांवर पर ढोते प्रतिदिन उनका कोई न कोई इवेंट सोशल मीडिया पर देखा जा रहा है। विधायक जी काफी सक्रिय नजर आ रहें हैं और वह अभी कुछ भी कर जाने की स्थिति में यह भी लोगों का कहना है।

चुनाव नजदीक है इसलिए विधायक जी सतत संपर्क कायम कर रहें हैं

कुछ लोगों का कहना है साढ़े तीन सालों बाद विधायक जी ज्यादा सक्रिय नजर आ रहें हैं लेकिन जनता जानती है। विधायक जी की सक्रियता चुनाव समीप होने को लेकर है और वह अपनी दावेदारी जनता के बीच लोकप्रियता के हिसाब से भी साबित करना चाहते हैं यह भी लोगों का कहना है। लोगों ने लिखा है कि इसबार पिछली बार की तरह जनता ठगी नहीं जाएगी,जनता जान चुकी है।

विधायक जी की अघोषित ठेकेदारी को लेकर भी लिखा है लोगों ने

कुछ लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है कि विधायक जी की अघोषित ठेकेदारी को सभी जानते हैं,विधायक जी के बिल्कुल नजदीक के पारिवारिक सदस्य साथ ही उनके कुछ खास समर्थक किस तरह से निर्माण कार्यों में गुणवत्ता घटाकर काम कर रहें हैं और जिसे सभी देख भी रहें हैं और सभी को पता भी है। अब किसी अभिनय से कुछ नहीं बनने वाला जनता समझ चुकी है कि असलियत में विकास किसका हो रहा है यह भी लोगों कहा।

स्कूटी और मोटरसाइकिल में भ्रमण भी है दिखावा

कुछ लोगों ने स्कूटी और मोटरसाइकिल से भ्रमण को लेकर कहा कि अपनी बेशकीमती गाड़ियों को भी सामने लाकर दिखाना चाहिए। स्कूटी और मोटरसाइकिल के अलावा काफिले में बड़ी बड़ी लग्जरी कारें शालिम हुई साढ़े तीन सालों में यह भी लोगों का ही कहना है और उसका प्रदर्शन नहीं किया जाता यह भी आरोप लग रहा है।

फोटो खिंचाकर सोशल मीडिया में डालने से किसानों की समस्या हल नहीं होगी

पूरे मामले में मनेंद्रगढ़ के पूर्व विधायक और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि विधायक जी केवल फोटो खिंचवाने में ही माहिर हैं, वह असली किसान होते तो वह फिलहाल किसानों की समस्या के प्रति ध्यान देते, आज किसान खाद बीज सिंचाई की समस्या से परेशान हैं और उन्हें सोसायटी में लाइन लगाए हुए देखा जा सकता है, विधायक जी को इन समस्याओं के प्रति ध्यान देने की जरूरत है न कि कांवर उठाकर फोटो खिंचाने की, विधायक जी को खेती किसानी का ज्ञान होता तो वह मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम में बिना जुताई किये गए खेत मे बीज नहीं बूनवाते,विधायक जी को मूल समस्याओं से मतलब ही नहीं है, खुद कहां जा रहें हैं स्कूटी से जा रहें मोटरसाइकिल से जा रहें धान के पौधों को ढो रहें है ऐसे फोटो वीडियो केवल वह इसलिए सोशल मीडिया में डाल रहें हैं क्योंकि अब उनको चुनाव का समय नजदीक दिख रहा है।

सावन में किसानों को अच्छी बारिश की उम्मीद अभी तक औसतन वर्षा से कम बारिश किसानों के लिए चिंताजनक

» अल्प बारिश से पिछड़ रही खेती कैसे होगा बोनी लक्ष्य पूरा यह भी चिंता का विषय।

» धान का रकबा 18500 हेक्टेयर घटाया कोदो-कुटकी व रागी का 850 बढ़ाया।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। सरकार ने जहां खरीफ फसलों के रकबा में जोड़ घटाव किया है जिसमें धान के रकबा को कम कर बाकी को बढ़ाया है इसके बावजूद जो लक्ष्य मिला है उस लक्ष्य पर अल्प बारिश का भी साया मंडरा रहा है अभी तक की स्थिति में 35 फीसदी ही बोनी हो पाई है और इसकी वजह बारिश का कम होना बताया जा रहा है औसतन वर्षा से 50 फ़ीसदी वर्षा कम है जो किसानों के लिए समस्या बनी पड़ी है किसान आसमानों के तरफ टकटकी लगाए बैठे हैं की बारिश कब अच्छी होगी और कब वह धान का रोपाई कार्य पूरा कर पाएंगे।

नए विपणन वर्ष में प्रति क्विंटल 2800 रुपए खरीदी करने की घोषणा के बाद अचानक धान का रकबा 18499 हेक्टेयर कटौती कर दी है। वर्ष 2022-23 में 53945 हेक्टेयर में धान की फसल होगी। हालांकि रकबा कटौती का मुख्य कारण कोदो-कुटकी व रागी को फसल को बढ़ावा देना है। लेकिन महज 850 हेक्टेयर ही रकबा बढ़ाया गया है। पिछले साल कोदो-कुटकी का रकबा 1778 हेक्टेयर, रागी 1252 हेक्टेयर निर्धारित था। मौजूदा खरीफ सीजन में कोदो कुटकी का लक्ष्य 2328, रागी 1552 हेक्टेयर लक्ष्य निर्धारित है। यह रकबा पिछले साल की अपेक्षा महज 850 हेक्टेयर बढ़ा है। वहीं दूसरी और धान का रकवा कई गुणा घटाया गया है। हालाकि किसान अपनी मर्जी से ही धान की खेती करते हैं।

इतना है फल और साग सब्जी का रकबा

कृषि विभाग ने मौजूदा खरीफ आंकड़ा 4740 हेक्टेयर अधिक है। पिछले साल निर्धारित रकबा 250 हेक्टेयर को बढ़ाकर 17727 हेक्टेयर रकबा निर्धारित है। यह रकबा अधिक है। सीजन में फल और साग सब्जी वहीं तिलहन की खेती का पिछले का रकबा कई गुणा बढ़ाया है। साल की निर्धारित रकबा 10700 हेक्टेयर को पार कर दिया गया हेक्टेयर रखा गया है। जो पिछले था। इसलिए मौजूदा वर्ष में 5000 साल की अपेक्षा 7027 हेक्टेयर रकबा अधिक है।

पिछले साल की अपेक्षा 25 फीसदी कम बारिश

जानकारी के अनुसार कोरिया में जुलाई 2022 में 225.68 साल से औसत वर्षा 293.63 मिलीमीटर रेकॉर्ड है। वहीं पिछले में 50 फीसदी से अधिक खेती साल 302.01 मिलीमीटर और 16 होती थी। पिछले दस साल के मुकाबले 23 मिलीमीटर बारिश रेकॉर्ड हुआ है। फीसदी कम और पिछले साल की कोरिया में बारिश कम होने से धान अपेक्षा 25 फीसदी कम बारिश हुई की खेती पिछड़ने लगी है। वर्तमान है। 16 जुलाई की अवधि में दस मैं धान की खेती 31 फीसदी हुई है। जबकि जुलाई के पहले सप्ताह 50 फीसदी से अधिक खेती होती है।

इतना रकबा घटाया बढ़ाया फसल

फसल	2021-22	2022-23	अंतर
धान बोता	32060	21900	-10160
धान रोपा	69740	53945	-15795
कोदो-कुटकी	1778	2328	+550
रागी	1252	1525	+273
मक्का	5910	9115	+3205

श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल द्वारा 30 ग्रामीणों को

छाता सहित अन्य जरूरत की सामग्री भेंट की गई

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल के कुशल मार्गदर्शन में सौम्य महिला समिति बैकुण्ठपुर की अध्यक्षा श्रीमती संगीता कापरी के नेतृत्व में चरचा क्षेत्र में समाज कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्षाऋतु के प्रारंभ होते ही ग्रामीण क्षेत्रों में दैनिक जीवन में राशन सामाग्री की समस्या उत्पन्न हो जाती है, वर्षा के पानी से जुड़ी समस्या आ जाती है और गरीब जनजाति के लिए यह समस्या उनके लिए प्राकृतिक आपदा के रूप में आती है ऐसे लोगों के लिए सौम्य महिला समिति के द्वारा चरचा गेस्ट हाउस में 30 ग्रामीण जनजाति के महिला पुरुष को बारिश से बचने के लिए छतरी प्रदान किया गया, सभी को गमछा देकर स्वल्पाहार का डिब्बा भी दिया गया। सभी उपस्थित जनसमुदाय को दैनिक उपयोग के लिए राशन सामाग्री के रूप में

दाल, चांवल, पोहा, तेल, सूजी का थैला प्रदान किया गया, आकाशिय बिजली से बचने को समझाया गया तथा मच्छर और सांप बिच्छु से सुरक्षित रहने की समझायिस दी गई। समाज कल्याण के उपरोक्त कार्यक्रम में श्रीमती नीनी मिरे, श्रीमती झुमा मंडल, श्रीमती मिताली मंडल , श्रीमती प्रतिभा सिंह, श्रीमती अनु श्रीनिवास, श्रीमती प्रतिमा सिंह, श्रीमती संध्या रामावत, श्रीमती रेखा सिंह तथा सौम्य महिला समिति की सदस्यों की उपस्थिति रही।

बेरोजगारी भत्ता पर भाजयुमो जिले के तीनों विधानसभा में

कांग्रेस सरकार के खिलाफ एसडीएम कार्यालय का करेगी घेराव:अंचल

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। भाजयुमो के जिलाध्यक्ष अंचल किशोर राजवाड़े ने कहा की बेरोजगारी भत्ता के मुद्दे को लेकर भाजयुमो कोरिया जिले के तीनों विधानसभा में कांग्रेस सरकार के खिलाफ एसडीएम कार्यालय का घेराव करने जा रही है, सरकार ने वादा तो किया था पर वादा पूरा नहीं की सिर्फ वादा निभाने का ढोंग करते आ रहे हैं जिसे लेकर जनता में आक्रोश है और वादा पूरा न करने को लेकर भाजयुमो कांग्रेस सरकार के इस रवैया का विरोध करती है विरोध सरूप एसडीएम कार्यालय का घेराव किया जाना है। बैकुंठपुर विधानसभा में 19 जुलाई 2022 दिन-मंगलवार को बैकुंठपुर एसडीएम कार्यालय का घेराव दोपहर 1 बजे, भरतपुर सोनहत विधानसभा में 20 जुलाई 2022, दिन-बुधवार को सोनहत एसडीएम कार्यालय घेराव दोपहर 1 बजे, मनेन्द्रगढ़ विधानसभा 22 जुलाई 2022, दिन-शुक्रवार, खड़गवां एसडीएम कार्यालय का घेराव दोपहर 1 बजे किया जाना सुनिसचित सुनिश्चित किया गया है। जिलाध्यक्ष अंचल किशोर राजवाड़े ने अपील कर सभी को आंदोलनों में समय निकालकर अवश्य पहुँचे का आग्रह किया है।

प्रदेश स्तरीय पिछड़ा वर्ग विभाग का सम्मेलन सम्पन्न

बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय पिछड़ा वर्ग विभाग का सम्मेलन आयोजित किया गया जहां प्रदेश के पुरे जिले से पिछड़ा वर्ग विभाग के पदाधिकारी सम्मेलन में भाग लिया। जिसमे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राष्ट्रीय कैप्टन अजय सिंह यादव मुख्य रूप से उपस्तिथ थे। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता मे प्रदेश स्तरीय सम्मलेन सम्पन्न हुआ, सम्मेलन में कोरिया से जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला अध्यक्ष अनिल जयसवाल के नेतृत्व में कोरिया जिला के कोटडोल, भरतपुर, सोनहत, मनेन्द्रगढ़, मनेन्द्रगढ़ ग्रामीण व मनेन्द्रगढ़ शहर, चिरमिरी, बैकुंठपुर ब्लॉक के अध्यक्ष गण भी उपस्थित रहे। कोरिया के जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी मुख्तार अहमद, चंदप्रकाश राजवाड़े, दिनेश राजवाड़े उपस्तिथ रहे। कोरिया के जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला अध्यक्ष अनिल जयसवाल ने कहा की मंत्री

अमरजीत भगत, राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, ओबीसी आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साहू, शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामकुमार पटेल सहित पूरे प्रदेश के कोने कोने से हजारों की संख्या में लोग उपस्तिथ हुए, जिसमे प्रमुख मांग ओबीसी को अलग से सभी शासकीय सेवा में आरक्षण। अलग से ओबीसी मंत्रालय गठन की मांग जिनकी जितनी आबादी उसकी उतनी भागीदारी का नारा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दीया। 54 प्रतिशत आबादी पूरे देश मे है मुख्यमंत्री जी ने कहा गौ मूत्र खरीदेंगे कृष्ण जन्माष्टमी में पूरे प्रदेश में कृष्ण कुंज बनेगा उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री।

सीजी रोड एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक सारांश मित्तर ने

जिले में सड़क निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

समय सीमा में काम पूरा नहीं तो लगेगी पेनाल्टी,गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ रोड एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक श्री सारांश मित्तर ने आज जिले में लोक निर्माण विभाग के तहत निर्माणाधीन सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रबंध संचालक श्री मित्तर ने उमझर रेलवे क्रॉसिंग से भंडारपारा मार्ग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस सड़क निर्माण कार्य की लंबाई 1.925 किमी है। श्री मित्तर ने काम में संतोषजनक प्रगति ना देखते हुए नाराजगी जताई और समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के

निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय सीमा के भीतर काम पूरा ना होने पर पेनाल्टी की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की निर्देश और मंशा अनुरूप सड़क विकास के जरिए लोगों तक सरल, सुलभ और सहज आवागमन सुनिश्चित किया जाना है। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री मित्तर ने एनएच 43 से करजी पहुंच मार्ग लंबाई 2 किमी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। और इसके बाद एनएच 43 से नाई लोहार पारा से औरीपारा सड़क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। इस मार्ग पर छह पुलिया का भी निर्माण किया जाना है। श्री मित्तर ने कहा कि समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करें और कोई कोताही न बरतें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इसी तरह लगातार सड़क निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। समयसीमा में काम पूरा करें।

डीए व एचआरए के लिए 25 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा:अशोक लाल कुर्रे

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश संगठन सह-सचिव अशोक लाल कुर्रे ने कहा की प्रदेश भर के कर्मचारियों की एकता के लिए संजय शर्मा प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, वीरेंद्र दुबे प्रदेश अध्यक्ष शालेय शिक्षक संघ, विकास राजपूत प्रदेश अध्यक्ष नवीन शिक्षक संघ द्वारा प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर सभी संघो की समान भूमिका व सामूहिक नेतृत्व में डीए व एचआरए की मांग को लेकर 25 जुलाई से सामूहिक नेतृत्व में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा करते हुए प्रदेश के सभी संघ के प्रदेश अध्यक्ष को आर पार के आंदोलन के लिए सामने आकर अनिश्चितकालीन हड़ताल में शामिल होने की अपील की है। संजय शर्मा प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, वीरेंद्र दुबे प्रदेश अध्यक्ष शालेय शिक्षक संघ, विकास राजपूत प्रदेश अध्यक्ष नवीन शिक्षक संघ ने कहा कि जनवरी 2020 का 4 प्रतिशत, जुलाई 2020 के 3 प्रतिशत, में से 1 प्रतिशत मिलाकर 5 प्रतिशत मंहगाई भत्ता 1 मई 2022 से दिया गया है। वर्तमान में जुलाई 2020 का 2 प्रतिशत, जनवरी 2021 से 4 प्रतिशत, जुलाई 2021 से 3 प्रतिशत, जनवरी 2022 से 3 प्रतिशत मिलाकर कुल 12 प्रतिशत मंहगाई भत्ता लंबित है, और कर्मचारियों को अभी भी 6 वें वेतनमान के अनुरूप गृहभाड़ा भत्ता मिल रहा है, जिसके कारण समस्त शासकीय कर्मचारियों को प्रतिमाह लगभग 4000 रूपए से 14000

रूपए की आर्थिक क्षति हो रही है। प्रदेश में महंगाई भत्ता व सातवे वेतनमान के अनुरूप गृहभाड़ा भत्ता की मांग को लेकर समस्त कर्मचारियों में सरकार की हठधर्मिता को लेकर गहरा आक्रोश है व लगातार अलग अलग बैनर तले धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों को शासन के समक्ष रख रहे हैं किंतु सरकार द्वारा अभी इनकी किसी मांग को पूर्ण नही किया गया है। प्रदेश में सफल शिक्षाकर्मी आंदोलन के बड़े चेहरे रहे छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे, नवीन शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विकास राजपूत ने सँयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर एकता का संदेश देते हुए कहा कि- समस्त अधिकारी व कर्मचारी संगठन एक साथ एक मंच पर आकर अब अनिश्चित कालीन (आर-पार आंदोलन) करें तभी हमें डीए और सातवे वेतनमान के अनुरूप एचआरए की प्राप्ति होगी, अन्यथा सरकार द्वारा कर्मचारियों की इसी तरह उपेक्षा की जाती रहेगी। संजय शर्मा, वीरेंद्र दुबे और विकास राजपूत ने अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा और मंहगाई भत्ता संघर्ष मोर्चा के प्रदेश संयोजक अनिल शुक्ला से अपील किया है कि कर्मचारी हित मे एकजुट होना ही समाधान है तभी सरकार की हठधर्मिता से लोहा लिया जा सकता है। अब समय एक, दो, तीन, पांच दिन के आंदोलन का नही अपितु आर-पार के लिए अनिश्चिकालीन आंदोलन का है, इसलिए अब इस दिशा में ईमानदारी से आगे बढ़ने की जरूरत है। वर्मा जी से आग्रह है कि आप अपनी टीम को 25 जुलाई से अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए तैयार करे व अनिल शुक्ला जी से अनुरोध है कि आप अपनी पूरी टीम के साथ इस 25 जुलाई से आयोजित आंदोलन में सहभागिता प्रदान करे, आंदोलन निष्पक्ष बैनर, समान भूमिका व प्रान्ताध्यक्षों की सामूहिक नेतृत्व में होगा।

कंगाल श्रीलंका में फिर आपातकाल,राष्ट्रपति चुनाव से पहले विक्रमसिंघे का बड़ा कदम

कोलंबो , 18 जुलाई 2022। भयावह आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में आज से फिर आपातकाल लगा दिया गया है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रॉनिल विक्रमसिंघे ने यह आदेश दिया। श्रीलंका में 20 जुलाई को राष्ट्रपति पद का चुनाव होने वाला है। इससे पूर्व सोमवार को तत्काल प्रभाव से देश में आपातकाल की घोषणा की गई। 225 सदस्यीय संसद के 20 जुलाई को नए राष्ट्रपति का चुनाव करने की उम्मीद है।

आदेश में कहा गया है कि आर्थिक संकट को देखते हुए कानून व्यवस्था व आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति के लिए 18 जुलाई से आपातकाल लगाया जा रहा है। इससे पहले 13 जुलाई को तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के खिलाफ भारी बवाल व जनाक्रोश भड़कने पर श्रीलंका में आपातकाल लगाया गया था। राजपक्षे के देश से भागने के बाद विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। इसके बाद आपातकाल हटा दिया गया था, लेकिन अब एक सप्ताह में दूसरी बार आपातकाल लगाना पड़ा है।

श्रीलंका में राष्ट्रपति को सार्वजनिक सुरक्षा अध्यादेश के भाग 2 में आपातकालीन नियम लागू करने का अधिकार है। इसके अनुसार यदि राष्ट्रपति की राय है कि पुलिस किसी स्थिति से निपटने में असक्षम है तो वे आपातकाल लागू कर सेना को तैनात करने का आदेश दे सकते हैं। इसका मतलब यह है कि सुरक्षा बलों को हथियारों और विस्फोटकों की तलाशी लेने, संदिग्धों को गिरफ्तार करने, खदेड़ने और परिसरों या व्यक्तियों की तलाशी लेने का अधिकार है।

देश से भाग निकले गोतबाया

श्रीलंका में पिछले करीब छह माह से ज्यादा समय से आर्थिक हालात बेकाबू हो गए हैं। देश में आवश्यक वस्तुओं व ईंधन की भारी किल्लत हो गई है। जनता पूर्ववर्ती राजपक्षे सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर कई बार सड़क पर उतर चुकी है। पिछले सप्ताह उग्र प्रदर्शनकारियों ने राजधानी कोलंबे में राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया भूमिगत हो गए थे। दो दिन तक अज्ञातवास में रहने के बाद वह रातोंरात देश से भाग निकले थे। पहले वे मालदीव गए और वहां से सिंगापुर पहुंचे।

आपातकाल का लंबा इतिहास

श्रीलंका में आपातकाल या इमर्जेंसी का लंबा इतिहास है। 1948 में अंग्रेजों से आजादी के बाद और उससे पहले भी कई बार देश आपातकाल भोग चुका है। आजादी के बाद सबसे पहले 1958 में देश में आपातकाल लगाया गया था तब सिंहली भाषा को एकमात्र भाषा के रूप में अपनाने के विरोध में हालात बिगड़ने पर आपातकाल लगा था।

लिट्टे आंदोलन के कारण 28 साल रहा आपातकाल

श्रीलंका ने सबसे लंबा आपातकाल 1983 से 2011 तक रहा। श्रीलंकाई तमिलों व सिंहलियों के बीच उग्र व हिंसक आंदोलन के कारण करीब 28 साल तक आपातकाल लगा रहा। तमिल समूह लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी लिट्टे श्रीलंका में अलग तमिल राज्य की मांग कर रहा था। गृहयुद्ध के हालात के बीच यहां आपातकाल लागू रहा। इसके बाद 2018 में मुस्लिम विरोधी हिंसा के कारण आपातकाल लगा था।

अमेरिका में लैंडिंग के दौरान दो विमानों में हुई टक्कर, 4 लोगों की मौत

वाशिंगटन ,18 जुलाई 2022। अमेरिका में उत्तरी लास वेगास हवाईअड्डा पर सामान्य विमानन के दो विमानों की टक्कर में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। दोपहर करीब 12 बजे लैंडिंग के दौरान सेसना 172 से टकरा गया।एफएए ने कहा, पाइपर रनवे 30-राइट के पूर्व में एक क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और सेसना एक तालाब में गिर गया। दो विमानों में क्रमश- दो-दो लोग सवार थे। क्लार्क काउंटी डिपार्टमेंट ऑफ एविएशन ने कहा कि दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने इस सिलसिले में जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही हैं।

अमेरिका में फिर गोलीबारी,मॉल में लोगों पर फायरिंग,हमलावर को एक नागरिक ने मार गिराया

इंडियानापोलिस , 18 जुलाई 2022। अमेरिका में फिर गोलीबारी हुई। रविवार शाम के एक बंदूकधारी ने इंडियाना प्रांत के ग्रीनवुड के मॉल में अंधाधुंध गोलीबारी की। इससे चार लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। हमलावर को मॉल में मौजूद एक हथियार से लैस नागरिक ने मार गिराया।

हमला स्थानीय समयानुसार रविवार शाम 6 बजे हुआ। इंडियाना पुलिस के अनुसार राइफल लेकर आए हमलावर ने मॉल के फूड कोर्ट में लोगों को निशाना बनाया। इससे पहले की वह और ज्यादा लोगों की हत्या करता, वहां मौजूद एक नागरिक ने उसे गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया। ग्रीनवुड के मेयर मार्क डब्ल्यू मेयर्स ने चार मृतकों में हमलावर भी शामिल है।

सशस्त्र नागरिक ने दिखाई चतुराई

ग्रीनवुड के पुलिस प्रमुख जिम इसॉन ने बताया कि कुल चार लोग मारे गए हैं। पुलिस के अनुसार कंट्रोल रूम को शाम छ बजे गोलीबारी की सूचना मिली। गोलीबारी तब थमी, जब एक सशस्त्र नागरिक ने हमलावर को

मार गिराया। इसॉन ने कहा कि जब हमलावर गोलीबारी कर रहा था, तभी एक नागरिक ने चतुराई दिखाई और उसे गोली मार दी।

बाइडन कानून में बदलाव के पक्ष में

अमेरिका में लगातार होने वाली गोलीबारी में निर्दोष नागरिकों की हत्या की बढ़ती घटनाओं पर राष्ट्रपति जो बाइडन कई बार चिंता जता चुके हैं। लचर शस्त्र कानूनों के कारण ये घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते दिनों बाइडन ने कहा था कि बच्चों और परिवारों की सुरक्षा के लिए अमेरिका को हथियारों पर प्रतिबंध लगाने या शस्त्र खरीदने की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 करने की आवश्यकता है।

हथियारों को लेकर नया विधेयक तैयार

अमेरिका में बीते कुछ दिनों में उवाल्डे, बफेलो, टेक्सास में गोलीबारी की घटनाएं हो चुकी हैं। अब इंडियानापोलिस के मॉल को निशाना बनाया गया। लगातार गोलीबारी की घटनाओं को लेकर अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने 22 जून को बहुप्रतीक्षित नया सुरक्षा विधेयक तैयार किया है। इस पर अमेरिका के दोनों दलों की सहमति है। इसमें खतरनाक लोगों से हथियार वापस लेने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य के लिए अरबों डॉलर के फंड की व्यवस्था की गई है। विधेयक में राइफलों पर प्रतिबंध और शस्त्र धारक की पृष्ठभूमि की जांच का प्रावधान तो नहीं है, लेकिन इसमें खतरनाक व्यक्तियों से बंदूकें वापस लेने का प्रावधान है।

अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस की दिग्गज नेता दुआर्ते का निधन,खशोगी के वकील को मनी लॉन्ड्रिंग में पकड़ा

जोहांसबर्ग , 18 जुलाई 2022। दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज स्वतंत्रता सेनानी और अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) की उपमहासचिव यास्मिन जेस्सी दुआर्ते (68) का रविवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रहीं थीं। एएनसी ने एक बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की और कहा कि वह संगठन के लिए शक्ति का स्तंभ थीं। दुआर्ते पिछले साल नवंबर से ही चिकित्सा अवकाश पर थीं। पार्टी प्रवक्ता ने कहा, जेस्सी का जाना सिर्फ परिवार के लिए ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक आंदोलन और पूरे देश के लिए एक बड़ी क्षति है।

खशोगी के अमेरिकी वकील को मनी लॉन्ड्रिंग में पकड़ा

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अफसरों ने पत्रकार जमाल खशोगी के अमेरिकी वकील असीम गफूर को दुबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। गफूर को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में तीन साल कैद और 8.16 लाख डॉलर का जुर्माने की सजा दी गई है।

सुनवाई गफूर की अनुपस्थिति में

हुई थी, लिहाजा इस मामले में अमेरिकी दूतावास के अनुरोध पर फिर से सुनवाई होगी और दोषी पाए जाने पर गफूर को सजा भुगतनी होगी। वाशिंगटन स्थित मानवाधिकार समूह डेमोक्रेसी फॉर द अरब वर्ल्ड नाउ (डॉन) ने बताया कि गफूर को 14 जुलाई को दुबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। यूएई अधिकारियों ने कहा, दोनों देशों के बीच हुए आर्थिक अपराधों को रोकने वाले करारों के तहत यह कार्रवाई हुई है।

कंजरवेटिव सांसदों के बीच पीएम के लिए पहली पसंद ऋषि सुनक

ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद के लिए अंतिम बचे पांच दावेदारों के बीच इन दिनों टेलीविजन पर भावी नीतियों को लेकर बहस का दौर चल रहा है। मीडिया का मानना है कि दौड़ में सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी के 358 सांसदों के बीच भारतीय मूल के ऋषि सुनक सबसे आगे हैं।

दैनिक संडे टेलीग्राफ में छपे एक सर्वे के मुताबिक, कंजरवेटिव पार्टी के करीब आधे सांसदों का मानना है कि वह विदेश मंत्री लिज ट्रस और कनिष्ठ मंत्री पैनी मोरडोंट के मुकाबले बेहतर रहेंगे। ट्रस के पास जॉनसन के वफादारों का समर्थन है। उधर, पार्टी के दो लाख सदस्यों ने कनिष्ठ मंत्री पैनी मोरडोंट को अध्यक्ष और इसके बाद पीएम के लिए पसंद करार दिया है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दो प्रमुख अधिकारियों को किया बर्खास्त,रूस का सहयोग करने का आरोप

मास्को/ कीव/ लंदन, 18 जुलाई 2022। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने देश की एजेंसियों के अधिकारियों द्वारा रूस के साथ सहयोग करने के दर्जनों मामलों का हवाला देते हुए दो अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। जेलेंस्की ने देश की घरेलू सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख इवान बाकानोव और देश के प्रासीक्यूटर जनरल इरीना वेनेडिक्टोवा को बर्खास्त कर दिया है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी रायटर्स ने दी है।

दोनबास पर कब्जे के लिए रूस ने एक साथ कई इलाकों पर किया हमला

रूस ने दोनबास इलाके पर कब्जे का लक्ष्य लेकर एक साथ कई मोर्चों पर हमला बोल दिया है। रूसी सेना ने कहा, फौज ने उन इलाकों में भी गोलाबारी की है, जहां अब तक हमले नहीं किए गए थे। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने शनिवार को पूर्वी यूक्रेन में रूसी कब्जे वाले इलाकों का दौरा किया। उन्होंने कमांडरों को खासतौर पर दोनबास में रूसी कब्जे वाले इलाकों पर यूक्रेन के हमले नाकाम करने को कहा।

यूक्रेनी सेना के प्रवक्ता वादीयम स्कीबित्स्काई ने कहा, साफ है कि रूस अब नए इलाकों में मोर्चा खोलने की तैयारी में है। उन्होंने बताया कि शनिवार देर शाम से रविवार दोपहर तक समुद्र और आसमान से मिसाइल हमलों के साथ ही हर तरफ से भारी गोलाबारी की गई। यहां तक कि लड़ाकू विमानों और हेलिकॉप्टरों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि स्लोवियांस्क पर कब्जे के लिए भी रूस ने हमले बढ़ा दिए हैं, मोटे तौर पर यह दोनेस्क प्रांत का आखिरी बड़ा शहर है, जहां अब भी थोड़ा-बहुत यूक्रेनी प्रतिरोध मौजूद है।

क्रेमलिन के सूत्रों ने बताया, रूस सभी मोर्चों पर अगले चरण के हमलों की तैयारी कर रहा है। रूस पूरा दोनबास कब्जे में रखना चाहता है। अब दोनबास के साथ दक्षिण में भी कुछ और इलाकों पर कब्जे की कोशिश होगी, ताकि रूसी कब्जे वाले इलाकों और यूक्रेन के बीच बफर जोन बनाया जा सके।

यूक्रेन के हमले में लुहांस्क में दो लोगों की मौत

यूक्रेनी अलगाववादियों के मुताबिक, रूसी कब्जे वाले स्लोवियांस्क के पूर्व में अल्केव्स्क में यूक्रेन ने एक के बाद एक छह रॉकेट दागे। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक बस डिपो, एक हेल्थ कैंप व एक रिहायशी इमारत तबाह हुए हैं।

पंजाब के उपचुनाव नतीजों में इमरान की पार्टी की बंपर जीत,मुश्किलों में घिर सकती है शहबाज सरकार

इस्लामाबाद , 18 जुलाई 2022। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पंजाब में अपनी सरकार बनाने और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) को बाहर करने के लिए उपचुनावों में जरूरी संख्या में विधानसभा सीटें हासिल की हैं। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज के हवाल से यह रिपोर्ट आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने 16 सीटें जीती हैं जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) ने तीन सीटें जीतीं। एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भी पंजाब उपचुनाव में एक सीट जीती है।

20 सीटों के लिए रविवार को हुआ था मतदान

पंजाब में प्रांतीय असेंबली की 20 सीटों के उपचुनाव के लिए मतदान रविवार को हुआ था। इन नतीजों से राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय होने की संभावना है। विश्लेषकों ने कहा है कि इन उप चुनावों में पीटीआई की भारी जीत के बाद अब शहबाज शरीफ सरकार के लिए अपना बाकी बचा कार्यकाल पूरा करना कठिन हो जाएगा।

वहीं, पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में प्रांतीय असेंबली की 20 सीटों के उप चुनाव के नतीजों से ठीक पहले शहबाज शरीफ की पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर नकेल कसने की कोशिश की। संघीय सरकार ने पीटीआई नेताओं पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी बनाने का फैसला संघीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया।

शरीफ सरकार ने पीटीआई पर कार्रवाई का किया फैसला

समझा जाता है कि पंजाब के चुनावों के महत्व को देखते हुए शरीफ सरकार मतदान से दो दिन पहले पीटीआई पर कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया। इसके लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को आधार बनाया है। नेशनल असंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर के मामले में ये फैसला आया। डिप्टी स्पीकर ने बीते अप्रैल में यह कर कर इमरान खान सरकार के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव को रद्द कर दिया था कि विदेशी हस्तक्षेप से देश में सरकार बदलने की कोशिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट इसी हफ्ते दिए अपने फैसले में कहा कि पूर्व डिप्टी स्पीकर अपने इस आरोप के पक्ष में कोर्ट में साक्ष्य पेश करने में नाकाम रहे।

सूचना मंत्री मरियम नवाज ने शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि संघीय मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें 'संसद, संविधान और लोकतंत्र पर हमलों' को रोकने का इरादा जताया गया है। इसी सिलसिले में कमेटी बनाने का फैसला हुआ। इस विशेष समिति की अध्यक्षता कानून मंत्री आजम नजीर तरार करेंगे। ये कमेटी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की रोशनी में अपने सुझाव सरकार को देगी।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ऐसा कुछ नहीं कहा है, जिससे यह संकेत मिलता हो कि पीटीआई के नेता देशद्रोही गतिविधियों में शामिल हुए। इसके बावजूद संघीय सरकार ने बनाई गई कमेटी को देशद्रोह का मुकदमा चलाने की संभावना का पता लगाने को कहा है। इस रूप में यह फिलहाल एक सियासी दांव मालूम पड़ता है।

मरियम नवाज ने कहा कि कोर्ट के फैसले से यह साफ है कि स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, राष्ट्रपति, और प्रधानमंत्री ने संविधान से तय अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने कमेटी बनाने का फैसला किया है, ताकि संविधान के ऐसे उल्लंघनों को भविष्य में रोका जा सके।' विश्लेषकों के मुताबिक क्या कर्तव्य निभाने में नाकामी देश द्रोह है, सरकार के ताजा फैसले ने इस सवाल पर देश में नई बहस खड़ी कर दी है।

इंसानी अहसासों की अभिव्यक्ति का सुगम जरिया बन गए इमोजी,पहली बार 1999 में जापान में बना

लंदन, 18 जुलाई 2022। अक्सर इंसान के अहसास उसके चेहरे से बयां होते हैं। लोग बोलते कुछ हैं और महसूस कुछ और करते हैं। इंसानी संवाद विरोधाभासों से भरा होता है, जहां भाषा, अभिव्यक्ति और भावनाएं मिलकर ही सार्थक संदेश रचती हैं। तीनों में से एक भी तत्व न रहे तो अर्थ का अनर्थ होते देर नहीं लगती।

डिजिटल दुनिया में जहां इंसान मीलों दूर बैठे किसी इंसान से संवाद करता है तो बातों के सटीक मायने समझ पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। इस मुश्किल का हल बने हैं इमोजी। यह इंसानी अहसासों को सहज व मौलिक तरीके से व्यक्त करने में मददगार साबित हो रहे हैं। सच तो यह है कि इमोजी न होते तो डिजिटल संवाद बेहद नीरस और भ्रामक होते।

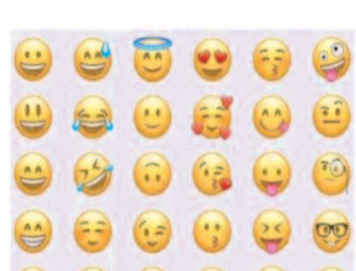

17 जुलाई को वर्ल्ड इमोजी डे मनाया गया। इमोजी की कहानी असल में 1999 से शुरू होती है, लेकिन वर्ल्ड इमोजी डे 2013 से मनाया जाने लगा। इमोजी के वजूद में आने और वर्ल्ड इमोजी-डे की शुरुआत के किस्से से पहले जान लीजिए कि ऑनलाइन संपर्क में बने रहने के लिए अब कॉल व टेक्सट मैसेज से ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है।

जापान में 1999 में बना इमोजी

मशहूर कहावत है, एक तस्वीर हजारों शब्द बयां करती है। जब मोबाइल फोन पर तस्वीरों का चलन नहीं था, तब टेक्स्ट मैसेज की वजह से इंसानी स्वभाव के विरोधाभास मुश्किलें पैदा कर रहे थे, गंभीर बातों को मजाक में ले लिया जाता और मजाक को गंभीरता से लेने लगे। इस मुश्किल का हल तलाशते हुए जापानी इंजीनियर शिगेतका कुरिता ने एक टीम के साथ 1999 में पहला इमोजी बनाया।

वह जापानी मोबाइल नेटवर्क कंपनी डोकोमो के पेजर के लिए काम करते थे। उन्होंने कुल 176 इमोजी बनाए थे। इमोजी शब्द भी जापानी भाषा से ईजाद हुआ है। यह मोटे तौर पर जापानी भाषा के शब्द इ (तस्वीर) और मोजी (पात्र) से मिलकर बना है। इसके बाद 2010 में इमोजी का यूनिकोड वर्जन बना और ये बेहद लोकप्रिय होने लगे। 2014 में गुगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक और ट्विटर ने अपने-अपने इमोजी पेश किए।

इस तरह शुरू हुआ वर्ल्ड इमोजी डे

ऑस्ट्रेलियाई ब्लॉगर जेरमी बर्ज ने इमोजी का अर्थ समझने के लिए गूगल और विकीपीडिया पर इसकी खोज की, लेकिन वहां भी कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने 17 जुलाई, 2013 को इमोजीपीडिया बनाया। इसके एक साल बाद 17 जुलाई, 2014 को पहला वर्ल्ड इमोजी-डे मनाया गया।

सिंगापुर में ओमिक्रॉन के बीए.2.75 सब-वेरिएंट के दो मामले सामने आए

सिंगापुर, 18 जुलाई 2022। सिंगापुर में हाल में भारत की यात्रा करने वाले दो लोग ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट बीए.2.75 से संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दोनों लोगों ने हाल में भारत की यात्रा की थी। कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के तुरंत बाद उन्होंने अपने आपको क्वारंटीन कर लिया था। हालांकि, अब वह संक्रमण से पूरी तरह ठीक हो चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीए.2.75 सब-वेरिएंट सबसे पहले मई में भारत में पाया गया था। इसके बाद ओमिक्रॉन के इस नए सबवेरिएंट के मामले ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और कनाडा समेत करीब 10 अन्य देशों में सामने आ चुके हैं। इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि अभी ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है, जिससे यह पता चलता हो कि बीए.2.75 ओमिक्रॉन के पहले के स्वरूपों के मुकाबले अधिक गंभीर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तीन और लोगों की मौत होने से महामारी से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या 1,450 हो गई है। सिंगापुर में महामारी फैलने के बाद से अब तक कोविड-19 के कुल 15,89,099 मामले दर्ज किए गए हैं।

CMYK

किसान खाद संकट व कालाबाजारी से परेशान

भाजपा किसान मोर्चा 22 जुलाई को करेगी सोसायटी में तालाबंदी:विनोद साहू

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी संघठन व किसान मोर्चा के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेशाध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल एवम जिलाध्यक्ष भाजपा कृष्ण बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन एवम किसान मोर्चा कोरिया के जिलाध्यक्ष विनोद साहू के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के किसानों को हो रही खाद संकट व खाद की कालाबाजारी पर 18 जुलाई 2022 दिन में 12 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुच कर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया।

छत्तीसगढ़ के किसानों को हो रही खाद संकट व खाद की कालाबाजारी पर आपको संज्ञान पत्र व खाद की आपूर्ति हेतु आग्रह पत्र। छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है और यहां आपकी सरकार किसानों को जिस प्रकार प्रारंभिक चरण में प्रताड़ित कर रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि एक किसान खेती प्रारंभ करने से पूर्व साख समिति पहुंचता है और वहां से खाद व कर्ज लेता है। व खाद की व्यवस्था सुनिश्चित करता है। किंतु आज साख समितियों में खाद की आपूर्ति नहीं किए जाने के चलते किसान चिंतित है व प्रताड़ित है। ऐसी दशा में वह प्राइवेट संस्थानों से खाद की खरीदी करने हेतु मजबूर हैं। जहां से कालाबाजारी स्वरूप दुगुने व तिगुने दामों पर खाद की खरीदी हेतु बाध्य है। चूंकि किसानों की लड़ाई में भाजपा किसान मोर्चा सदैव तत्पर खड़ा है। सप्ताह भर के भीतर यदि साख समितियों में खाद की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कि गयी तो 22 जुलाई को प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा छत्तीसगढ़ की समस्त समितियों में ताला बंदी कर अपना विरोध दर्ज करेगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, भाजपा जिला प्रवक्ता बसंत राय, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद साहू, किसान मोर्चा जिला महामंत्री श्री नरेश्वर रजक, किसान मोर्चा जिला मंत्री श्रीमती कामिनी राजवाड़े, किसाना मोर्चा मंडल महामंत्री बैकुण्ठपुर मुसाफिर सिंह, किसान मोर्चा मंडल महामंत्री राम लखन, किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष राम साहू, किसान मोर्चा मंडल कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र देवांगन, किसान मोर्चा सदस्य सचिदानंद द्विवेदी, किसान मोर्चा संयोजक पंचायत परमानंद साहू, किसान मोर्चा सह संयोजक पंचायत अक्षय साहू, दीपक साहू, संजय साहू एवं भाजपा के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

अवैध मादक पदार्थ की बिक्री करने वाला व्यक्ति

चढ़ा दीपका पुलिस के हत्थे

-नगर संवाददाता-
कोरबा, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा अवैध कारोबार (अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब विक्री) पर अंकुश लगाने हेतु आदेश दिया गया था। दिये गये निर्देशों के परिपालन में दीपका थाना प्रभारी अनिल पटेल द्वारा थाना दीपका से पुलिस टीम बनाकर दिनांक 17/07/2022 को 15.30 बजे ग्राम नोनबिर्रा की ओर से मोटर सायकल क्रमांक ष्ट्ग 11 रू 8761 में एक व्यक्ति मादक पदार्थ गांजा लेकर ग्राम रतिजा की ओर जा रहा है कि मुखबिर सूचना एवं गांजा रेड कार्यवाही हेतु पुलिस टीम द्वारा रतिजा बस्ती के आगे तीनटिकिया मोड के पास बजाज डिस्कवर मोटर सायकल क्रमांक ष्ट्ग 11 रू 8761 में एक व्यक्ति तेजी से आते दिखाई दिया, जिसे हमराह स्टाफ के घेराबंदी कर पकड़ा गया ढ्ढ पूछताछ पर अपना नाम अरविंद कुमार रात्रे पिता स्व. टेकचंद रात्रे उम्र 38 वर्ष साकिन खपरीडीह वार्ड नंबर 19 अकलतरा थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा का निवासी होना बताया ढ्ढ जिसके गाड़ी के डिक्की में एक हरे रंग के कपड़ा थैला के अंदर 2 पारदर्शी सफेद प्लास्टिक पन्नी में कुल 02 किलो मादक पदार्थ गांजा मिला ढ्ढ मौके पर उक्त व्यक्ति को मादक पदार्थ गांजा रखने के संबंध में नोटिस देकर वैध दस्तावेज पेश करने को कहा गया ढ्ढ जो गांजा के सम्बंध में कोई लाइसेंस अथवा दस्तावेज न होना लिखित में देने पर मादक पदार्थ गांजा 02 किग्रा0 कीमती 20,000 रुपये को जब्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी का कृत्य धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट का अपराध पाये जाने से आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर देहाती नालसी कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया।

कारोबारी के सूने आवास से जेवरात सहित लाखों की चोरी

-नगर संवाददाता-
कोरबा, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

जिले में एक कारोबारी के सूने मकान में चोरों ने धावा बोल, घर से लाखों का माल पार कर दिया है।चोरी कि घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

मामला सीएसईबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत टीपी नगर का है। मिली जानकारी के अनुसार टीपी नगर स्थित आवासीय कॉलोनी में निवासरत कारोबारी श्रवण कुमार बेरीवाल के सूने मकान में कल रात चोरों ने धावा बोलकर सोने-चांदी के जेवरात सहित लाखों का माल पार कर दिया । बताया जाता है कि, चोरी के दौरान पूरा परिवार रायपुर में था, जब परिवार के सदस्य ने सुबह सीसीटीवी कैमरे का फुटेज चेक किया तब उन्हें चोरी के बारे में जानकारी हुई। इसके बाद वह रायपुर से कोरबा अपने घर पहुंचे। फिर चोरी की सूचना पुलिस को दी गई। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल पर पहुंच मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

एनिमिक गर्भवती व शिशुवती महिलाओं को आंगनबाड़ी में दी जा रही सुपोषण थाली

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण को प्राथमिकता देते हुए जिले में मुख्यमंत्री सुपोषण योजना के तहत एनीमिया मुक्त कोरिया अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की प्रदेश को एनीमिया मुक्त बनाने की मंशा अनुरूप जिले में कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में शुरू किए गए इस अभियान के तहत गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के हीमोग्लोबिन की जांच की गयी है। इस अभियान का उद्देश्य जिले में मातृ मृत्यु दर को कम करना है।

इस अभियान के दूसरे चरण में अब गर्भवती एवं शिशुवती एनिमिक महिलाओं को चिन्हांकित कर उन्हें निकट की आंगनबाड़ी में सुपोषण थाली के रूप में गरम भोजन दिया जा रहा है। आज स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्राम पंचायत केनापारा के आंगनबाड़ी केंद्र स्कूल पारा में कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने इसकी औपचारिक शुरुआत की। आज से जिले के समस्त विकासखंड में स्थित आंगनबाडियों में गर्भवती व शिशुवती एनिमिक महिलाओं को गरम भोजन देने की शुरुआत की गई है।

कलेक्टर श्री शर्मा ने आंगनबाड़ी में उपस्थित उक्त सभी महिलाओं से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को बताया कि सप्ताह में 05 दिन गरम भोजन दिया जाएगा। नियमित रूप से आंगनबाड़ी आएं और इस अभियान में अपना सहयोग दें। इस अभियान के तहत चिन्हांकित एनिमिक गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को आंगनबाड़ी में गरम भोजन के साथ ही महिलाओं की हर माह हीमोग्लोबिन जांच की जाएगी। जिससे उनके स्वास्थ्य में प्रगति को मापा जा सके। सभी महिलाओं को आयरन की टेबलेट और आवश्यकता अनुसार आयरन सुक्रोस के डोज़ भी दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान को सफल बनाने और महिलाओं को एनिमिया से मुक्त करने जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

रेत से लदे 2 टिपर वाहन पकड़ कार्यवाही के लिए खनिज विभाग को किया सुपुर्द

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

एनजीटी का उल्लघंन करने वाले रेत से लदे 2 टिपर वाहन लावारिश हालत में पाया गया जिसे जयनगर पुलिस ने धारा 102 के तहत कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही के लिए खनिज विभाग को सुपुर्द किया है। दिनांक 17.07.2022 को रात्रि में पेट्रोलिंग के दौरान जयनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि राजापुर रेत घाट से टिपर वाहनों में अवैध रूप से बालू लोड कर परिवहन किया जा रहा है। जिसकी सूचना से पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू को अवगत कराने पर उन्होंने कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के मार्गदर्शन में जयनगर पुलिस ने ग्राम राजापुर में 2 टिपर वाहनों को लावारिश हालत में पाया जिसकी तलाशी लेने पर उसमें रेत लोड़ पाया। एनजीटी का उल्लघंन पर इन दोनों टिपर वाहनों को लावारिश हालत में जप्त कर धारा 102 के तहत कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही हेतु खनिज विभाग को सुपुर्द कर दिया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर सुभाष कुजूर, एएसआई कृष्णा सिंह, प्रवीन राठौर, आरक्षक अभय पाण्डेय, कुन्दन सिंह व मनोज राजवाड़े सक्रिय रहे।

वेतन समस्या को लेकर छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन

22 जुलाई को रायपुर में करेगा धरना प्रदर्शन

-नगर संवाददाता-
कोरबा, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

सहायक शिक्षक फोडरेशन जिला कोरबा के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार सांडे ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उनकी वेतन विसंगति वर्ष 2018 से चली आ रही है। त्रुटिपूर्ण वेतन निर्धारण के कारण प्रदेश के एक लाख नौ हज़ार सहायक शिक्षक विसंगति युक्त वेतनमान से पीड़ित हैं, जिसे दूर करने हेतु बीते विधानसभा चुनाव पूर्व एवं चुनाव उपरांत कई बार मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री सहित कई मंत्रियों, विधायकों एवं पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा उक्त वेतन विसंगति को जल्द दूर करने आश्वासन दिया गया था साथ ही 16 सितंबर 2021 को वेतन विसंगति दूर करने के संबंध मैं राज्य शासन द्वारा 3 महीने की अंतर्विभागीय कमेटी गठित की गई थी, किंतु आज 10 माह बाद भी उक्त कमेटी के सहायक शिक्षकों को वेतन विसंगति से निजात नहीं मिल सका। जिस कारण सभी सहायक शिक्षक आगामी 22 जुलाई को रायपुर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। अगर उनकी मांग पूरी नही हुई तो, आगे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने की बात जिलाध्यक्ष विनोद कुमार सांडे के द्वारा कही गयी। अब देखना यह होगा कि सरकार वेतन विसंगति से निजात दिलाती है अथवा नही।

नाबालिग बालिका को अपहरण कर अनाचार करने वाले चार युवक गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
कोरबा, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

दिनांक 12-7-2022 को प्रर्थिया थाना कोतवाली उपस्थित आकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 4-7- 2022 को वह अपने चाचा के लड़के के साथ घूमने जा रही थी ,की राताखार बाईपास रोड कब्रिस्तान के आगे रुके थे, इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसे अपने साथ गाड़ी में बिठाकर बरहमपुर के आगे जंगल में ले जाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किए हैं की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कोरबा में अपराध दर्ज किया गया। कोतवाली पुलिस एवं साइबर टीम कोरबा द्वारा आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी। चूंकि आरोपी अज्ञात थे एवं प्रर्थीया आरोपी युवकों को पहले कभी नहीं देखी थी ,इसलिए उनकी पतासाजी करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।सीसीटीवी कैमरा की बारीकी से पड़ताल करने पर पुलिस को एक फुटेज में एक आरोपी की तस्वीर दिखाई दी , इसी के सहारे अन्य आरोपी की जानकारी प्राप्त हुई। कोतवाली पुलिस टीम एवं साइबर टीम के संयुक्त प्रयास से आरोपियों की बिलासपुर में छिपे रहने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा तत्काल बिलासपुर जाकर चारों आरोपियों आशीष कुमार पिता लव कुमार, उम्र ङ्क 26 वर्ष, निवासी ङ्क मिशन रोड कोरबा*,साहिल सागर पिता स्व. सुनील सागर, उम्र ङ्क 22 वर्ष, निवासी रामसागर पारा कोरबा, दीपेश प्रजापति पिता नारायण प्रजापति, उम्र 19 वर्ष, निवासी राता खार कोरबा

रवि सिंह पिता बलदेव सिंह, उम्र -19 वर्ष, निवासी मिशन रोड कोरबा को बिलासपुर से पकड़ढ्ढ गयढ्ढ ढ्ढ चारों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गयढ्ढ।

19 बेजा कब्जा धारकों को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

ग्राम तिलसिंवा में शासकीय भूमि पर काबिज 19 लोगों को उच्च न्यायालय में बड़ी राहत देते हुए पट्टा की कार्यवाही पूर्ण होने तक बेदखली की कार्यवाही रोकने का आदेश जारी किया है।गौरतलब है कि नगर सीमा से लगे ग्राम पंचायत तिलसिवां एवं मानपुर की शासकीय भूमि पर वर्षों से काबिज 19 लोगों के घरों में तहसीलदार सूरजपुर की ओर से बेदखली के लिए नोटिस चस्पा कर 30 जून तक मकान कब्जा हटा लेने के निर्देश दिये थे। इस नोटिस के बाद दहषत में आए प्रभावित लोगों ने कलेक्टर, एसडीएम, विधायक समेत अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ ही उच्च न्यायालय में रीट दायर कर राहत की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने प्रभावित पक्ष के वकील द्वारा प्रस्तुत दलील एवं दस्तावेज के आधार पर बड़ी राहत दी है और पक्षकारों के पट्टा प्रकरण का निराकरण होते तक कार्यवाही रोकने के निर्देष दिये हैं।

शासन स्तर पर पट्टे के लिए हुआ है सर्वे

जिला मुख्यालय और इससे लगे ग्रामों में शासकीय भूमि पर काबिज दारों को राज्य सरकार की योजना के तहत पट्टा प्रदान करने की दृष्टि से सर्वेक्षण का कार्य संबंधित पटवारी व राजस्व निरीक्षक की टीम के द्वारा 06 माह पूर्व किया गया है। इसी को आधार बनाकर उच्च न्यायालय में रीट दायर की गई थी।

पक्षकारों ने तहसीलदार को सौंपा आदेश

इस मामले में उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश की प्रति सोमवार को अधिवक्ता गैबीनाथ साहू एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवेष गोयल के साथ पक्षकारों ने तहसीलदार संजय राठौर को सौंपी और बरसात के मौसम को ध्यान में रखने के साथ ही पक्षकारों को पट्टा प्रदान कर न्याय देने की मांग की है।

भटगांव पुलिस ने जुआ खेल रहे 6 जुआड़ियों को पकड़ा

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर/भटगवां, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

अवैध शराब, जुआ, नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के विरूद्व कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिपेक्ष्य में भटगांव पुलिस ने ग्राम बंशीपुर में हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलने के मामले में 06 जुआड़ियों को रंगे हाथों पकड़ जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया है। रविवार शाम को थाना प्रभारी भटगांव को मुखबीर ने सूचना दिया कि बंशीपुर जंगल केंदली नाला के पास कुछ जुआडियान रूपये पैसे की हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जुआ खेल रहे 06 व्यक्ति राजुदास, मूल सिंह, जिआउलहक, नंदकिशोर गुप्ता, लक्ष्मण गुप्ता व मणीरंजन उर्फ पिन्टू मिश्रा को पकड़ा जिनके कब्जे व जुआ फड से 12300 रूपये जप्त कर धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव शरद चंद्रा, एएसआई गुरू प्रसाद यादव, आरक्षक रजनीश पटेल, प्रकाश साहू, नौशाद खान, कमलेश सिंह व बबलू राजवाड़े सक्रिय रहे।

20 पिकअप व 43 मोटर सायकल चालकों से 20,300 रूपये का लिया गया समन शुल्क

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर, 18 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।

सड़क हादसों में कमी लाने एवं सफर के दौरान वाहन चालकों तथा आमजन की सुरक्षा को लेकर सूरजपुर पुलिस ने दो पहिया वाहन में तीन सवारी तथा यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले पिकअप वाहन चालकों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही किया है। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी व यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न जगहों पर चेकिंग अभियान चलाकर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के मार्गदर्शन में अभियान के तहत बीते दिन थाना-चौकी की पुलिस टीम के द्वारा विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाकर 43 दो पहिया वाहन में 3 सवारी पाए जाने एवं 20 पिकअप वाहन चालकों के द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करने पर मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही करते हुए 20300 रूपये का समन शुल्क प्राप्त कर शासन के कोष में जमा किया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-6/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामेश्वर अग्रवाल, आयु-63 वर्ष एवं बाबूलाल अग्रवाल आयु-56 वर्ष आ0 स्व0 टेकचन्द्र अग्रवाल, जाति अग्रवाल,निवासी ग्राम जिला चिकित्सालय रोड नगर अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ के द्वारा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता-1959 की धारा 110 के तहत इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-अस्पताल रोड नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक-4167/6 रकबा 0.04 1/2 एकड़ भूमि वर्तमान नजूल अभिलेख भू-धारक टेकचन्द आ0 श्योलाल अग्रवाल ,निवासी -अस्पताल रोड अम्बिकापुर के नाम पर अंकित है,की मृत्यु दिनांक 09/12/1989 को हो गईहै। मृतक भू-धारक टेकचन्द अग्रवाल आ0 श्योलाल अग्रवाल के वारिस दो पुत्र क्रमशः रामेश्वर अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल हैं जो आवेदक हैं। आवेदकगण उपरोक्त वादभूमि पर से मृतक भू-धारक टेकचन्द्र अग्रवाल आ0श्योलाल अग्रवाल का नाम वर्तमान नजूल अभिलेख से विलोपित कर अपना नाम दर्ज किए जाने हेतु नजूल मेन्टेनेन्स खसरा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति सहित अनुरोध किया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/09/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-20(3)/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरपाल सिंह बाबरा आ0 स्व0 सरदार तेजपाल सिंह बाबरा ,उम्र-52 वर्ष, निवासी-रिंगरोड नमनाकला अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि आवेदक/विक्रेता-हरपाल सिंह बाबरा आ0 स्व0 सरदार तेजपाल सिंह बाबरा, उम्र- 52 वर्ष, निवासी-रिंगरोड नमनाकला अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-देवीगंज रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 1163/27 रकबा 440 वर्गफीट भूमि है। उक्त आवेदित नजूल प्लॉट 1163/27 रकबा 440 वर्गफीट भूमि को आवेदक/ विक्रेता-हरपाल सिंह बाबरा आ0 स्व0 सरदार तेजपाल सिंह बाबरा, उम्र-52 वर्ष,निवासी रिंगरोड नमनाकला, नगर अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अनावेदक/क्रेता-श्रीमती ज्योति सोनी पत्नी मुकेश सोनी उम्र-41 वर्ष निवासी-वार्ड क्रमांक 39 नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 को विक्रय किए जाने बाबत अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र तथा आवेदन पत्र के समर्थन में उभय पक्ष का शपथ पत्र व मेन्टेनस की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/07/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0- /अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश कुमार जायसवाल आ0 श्यामदेव जायसवाल,उम्र-51 वर्ष,निवासी- धुर, तहसील ओड़गी, जिला-सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/दानकर्ता- श्यामदेव जायसवाल आ0 स्व0 मल्लू प्रसाद जायसवाल, उम्र- 82 वर्ष, निवासी-बौरीपारा, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-पाण्डेयपुरा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 1811 रकबा 0.37 एकड़ भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट 1811 रकबा 0.37 एकड़ में से रकबा174.58 वर्गमीटर भूमि को पंजीबद्ध दान पत्र पंजीयन दिनांक 20.12.2021 के द्वारा अनावेदक/ दानकर्ता- श्यामदेव जायसवाल आ0 स्व0 मल्लू प्रसाद जायसवाल, उम्र-82 वर्ष,निवासी बौरीपारा, नगर अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 से मेरे द्वारा दान में प्राप्त किया गया है। अतः पंजीबद्ध दान पत्र पंजीयन दिनांक 20.12.2021 के आधार पर अपने नाम नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/08/2022 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/07/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

C M Y K

न्यूजीलैंड,जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए

ऑस्ट्रेलिया टीम में लौटे एडम जम्पा,पैट कमिंस को आराम

नईदिल्ली,18 जुलाई 2022 । ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुनी गई 14 सदस्यीय टीम में जगह बनाई है. जम्पा अपने पहले बच्चे के जन्म पर श्रीलंका के हालिया दौरे से बाहर हो गए थे, लेकिन 30 साल के स्पिनर को अगस्त और सितंबर में क्वींसलैंड में होने वाले मैचों के लिए एक टीम में शामिल किया गया है. ऑस्ट्रेलिया केयर्न्स में जिम्बाब्वे के खिलाफ इतने ही मैचों से पहले टाउन्सविले में ट्रांस-तस्मान प्रतिद्वंद्वियों न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच खेलेगा.

जम्पा की वापसी के साथ टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को वनडे मैचों के लिए आराम दिया जाएगा. बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को भी टीम से बाहर किया गया है, क्योंकि वो अपने पहले बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं.

श्रीलंका दौरे के दौरान दोनों के चोटिल होने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने जम्पा को वापस बुलाने के साथ-साथ तेज गेंदबाज सीन एबॉट और साथी स्पिनर एश्टन एगर को भी शामिल किया है.

मिचेल स्वेपसन, जॉश इंग्लिस, झाय रिचर्डसन और मैथ्यू कुहनेमैन सभी को श्रीलंका से वनडे सीरीज 3-2 से हारने वाली टीम से हटा दिया गया है, जिसमें अनुभवी बल्लेबाज एरोन फिंच को एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया की ओर से नेतृत्व करने के लिए नामित किया गया है.

राष्ट्रीय चयनकर्ता और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज बेली का मानना है कि न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी मैच टीम को क्रिकेट के व्यस्त दौर से पहले एक अच्छी चुनौती प्रदान करेंगे.

आईसीसी ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ ये सीरीज, दुनिया की नंबर एक वनडे टीम और जिम्बाब्वे के खिलाफ अच्छी प्रतियोगिता होगी, जिससे सीजन में कुछ बेहतरीन क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा.

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीमः एरोन फिंच (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जॉश हेजलवुड, मार्नस लेबुस्चागने, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क , मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जम्पा.

न्यूजीलैंड के लिए शेड्यूल : 28 अगस्त, 31 और सितंबर 3 (रिवरवे स्टेडियम, टाउन्सविले में आयोजित होंगे सभी मैच) 7

जिम्बाब्वे के लिए शेड्यूल : 6, 8, 11 सितंबर (कैजली स्टेडियम, केर्न्स में सभी मैच).

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए

वेस्टइंडीज टीम में लौटे जेसन होल्डर

नईदिल्ली,18 जुलाई 2022 । पूर्व कप्तान जेसन होल्डर की भारत के खिलाफ 22 जुलाई से शुरू होने वाले तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 13 सदस्यीय टीम में वापसी हुई है.

अनुभवी आलराउंडर बांग्लादेश के खिलाफ पिछली घरेलू टी20 सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज की टीम का हिस्सा नहीं था लेकिन क्रिकेट वेस्टइंडीज के चयन पैनल ने उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में वापस बुलाने का फैसला किया.

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद निकोलस पूरन टीम की अगुवाई करना जारी रखेंगे जबकि शाई होप टीम के उप कप्तान होंगे. वेस्टइंडीज को बांग्लादेश ने वनडे सीरीज में 0-3 से हराया लेकिन पूरन ने तीसरे टी20 में 39 गेंद में 74 रन बनाए. उन्होंने तीसरे एकदिवसीय में भी 73 रन की पारी खेली.

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स के हवाले से कहा, ''जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जेसन दुनिया के अग्रणी ऑलराउंडर में से एक है और उसे टीम में वापस शामिल करने की हमें खुशी है. वो तरोताजा, ऊर्जावान और फिर से मैदान पर उतरने को तैयार होगा और हम मैदान पर उसकी प्रतिभा और मैदान के बाहर भी उसके सार्थक योगदान की उम्मीद कर रहे हैं.''

बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद हेन्स को उम्मीद है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ चीजों को बदलने में सफल होगी. उन्होंने कहा, ''गयाना में बांग्लादेश के खिलाफ हमारे तीन मैच बहुत चुनौतीपूर्ण थे इसलिए जब हम त्रिनिदाद की परिस्थितियों में भारत का सामना करेंगे तो हम वापसी करना चाहेंगे.

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए विंडीज वनडे टीम~ निकोलस पूरन (कप्तान), शाई होप, शेमार ब्रूक्स, कीसी कार्टी, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, काइल मायर्स, गुडाकेश मोती, कीमो पॉल, रोवमैन पॉवेल और जेडन सील्स.

बेन स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से रिटायरमेंट का किया ऐलान

नईदिल्ली,18 जुलाई 2022 । इंग्लैंड के शानदार ऑलराउंडर और जबरदस्त खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड के लिए कई मौकों पर अहम पारी खेलने वाले बेन स्टोक्स ने महज 31 साल की उम्र में ही एकदिवसीय मैचों से सन्यास की घोषणा कर दी है। बताया जा रहा है कि 19 जुलाई को बेन स्टोक साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी एकदिवसीय मुकाबला खेलेंगे। इंग्लैंड को पहला विश्व कप जिताने में भी बेन स्टोक्स का काफी योगदान रहा है। 2019 के विश्वकप फाइनल मुकाबले में बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 84 रनों की पारी खेली थी और मैच को सुपर ओवर तक ले गए थे। इसके बाद इंग्लैंड अपना पहला विश्वकप खिताब जीता था और बेन स्टोक प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। बेन स्टोक्स को लिमिटेड ओवर का बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आज अपने ट्वीट में लिखा है कि मैं इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी वनडे क्रिकेट मैच मंगलवार को डरहम में खेलूंगा। इसके साथ ही मैं इस प्रारूप से संन्यास लेने का फैसला लिया है। अपने ट्वीट में बेन स्टोक्स ने यह भी लिखा है कि यह फैसला करना अविश्वसनीय रूप से काफी कठिन रहा है। मैं इंग्लैंड की टीम में अपने साथियों के साथ हर मिनट के खेल को पसंद किया है। हमें इस दौरान एक अविश्वसनीय यात्रा की है।

नीरज चोपड़ा ने खुद के लिए सेट किया नया लक्ष्य,अबकी बार 90 पार

नईदिल्ली,18 जुलाई 2022 । टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड जीतकर भारत का गौरव बढ़ाने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा जल्द ही अमेरिका के यूजीन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उतरने वाले हैं. टूर्नामेंट में उतरने से पहले भारत के इस भाला फेंक खिलाड़ी ने अपने लिए लक्ष्य का निर्धारण भी कर लिया है. नीरज ने साफ किया कि अब वो 90 मीटर भाला फेंककर नया कीर्तिमान स्थापित करना चाहते हैं.

नीरज चोपड़ा ने दो बार अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार किया. पहले 14 जून को उन्होंने फिनलैंड में पावो नुर्मी खेलों में 89.30 मीटर और फिर 30 जून को प्रतिष्ठित स्टॉकहोम डायमंड लीग प्रतियोगिता में 89.94 मीटर दूर भाला फेंका. वो 90 मीटर के रिकॉर्ड को छूने से महज छह सेंटीमीटर से चूक गए थे.

चोपड़ा डाइमंड लीग में ग्रेनेडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे. पीटर्स ने 90.31 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता.

टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने 21 जुलाई को क्वालीफाइंग दौर के साथ शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप की भाला फेंक स्पर्धा में चुनौती के बारे में कहा,विश्व चैंपियनशिप में मुकाबला काफी कड़ा होने वाला है. छह खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और 89 मीटर से अधिक की दूरी तक भाला फेंक रहे हैं. इस बार मुकाबला काफी रोमांचक होगा.

उन्होंने कहा,मैंने इस साल 90 मीटर से अधिक का थ्रो करने का लक्ष्य बनाया है और

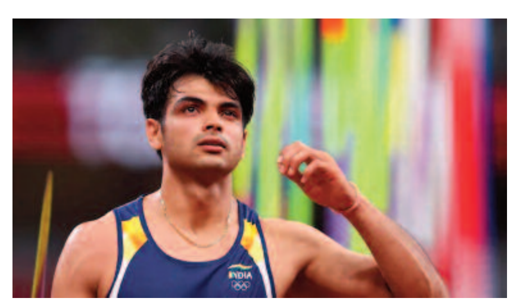

डाइमंड लीग में मैं सिर्फ छह सेंटीमीटर से इसे हासिल करने से चूक गया था. उम्मीद है कि मैं इस साल इस लक्ष्य को हासिल कर लूंगा. मैं हालांकि जब किसी प्रतियोगिता में उतरता हूं तो किसी लक्ष्य के साथ नहीं उतरता. मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपना शत प्रतिशत देने पर होता है. मैं हमेशा इसी मानसिकता के साथ उतरता हूं और अपने प्रयास में पूरी ऊर्जा झोंकना चाहता हूं.

चोपड़ा डाइमंड लीग में भले ही पीटर्स से पिछड़ गए हों लेकिन वह पावो नुर्मी खेलों और फिनलैंड में ही कुओर्ताने खेलों में पीटर्स को पछाड़ चुके हैं. विश्व चैंपियनशिप में पीटर्स और चोपड़ा के अलावा ओलंपिक रजत पदक विजेता याकुब वाडलेच (सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.88 मीटर), जर्मनी के जूलियन वेबर (89.54 मीटर), त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 2012 ओलंपिक चैम्पियन केशोर्न वॉलकॉट (89.07 मीटर) और फिनलैंड के ओलिवर हेलांडर (89.83 मीटर) पदक के दावेदारों में शामिल हैं.

विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के बारे में पूछने पर चोपड़ा ने कहा,मेरी तैयारी काफी अच्छी चल रही और मैं एक बार फिर अपना शत प्रतिशत देने के लिए तैयार हूं. हम सभी को ओरेगन विश्वविद्यालय में ठहराया गया है और हम अलग स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रहे हैं. उन्होंने कहा,यहां का माहौल काफी अच्छा है. दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट यहां मौजूदा हैं. जिम और स्टेडियम में जब कोई विश्व और ओलंपिक रिकॉर्ड धारक मिलता है तो उनसे काफी प्रेरणा मिलती हैं.

चोपड़ा ने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ अपने प्रदर्शन पर है और वह स्व्यं से बेहतर बनने के लिए ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं.खेल में उतार चढ़ाव लगे रहते हैं. कभी आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हो तो कभी इससे बेहतर भी करते हो. कभी कभी आप अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तक नहीं पहुंच पाते. जब प्रदर्शन अच्छा नहीं होता तो ट्रेनिंग में और कड़ी मेहनत करता हूं. मेरी प्रतिस्पर्धा अपने आप से है और मैं अपने से बेहतर बनने का प्रयास करता हूं.

चोपड़ा के प्रेरणास्त्रोत और भाला फेंक के विश्व रिकॉर्ड धारक चेक गणराज्य के यान जेलेनी भी यूजीन में मौजूद हैं और यह भारतीय खिलाड़ी उनसे मिलकर काफी खुश हूं. उन्होंने कहा,यान जेलेनी भी यहां मौजूद हैं. मैं दो बार उनसे मिल चुका हूं. वह विश्व रिकॉर्ड धारक हैं और मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं. उनसे मुझे काफी प्रेरणा मिलती है.

नरिंदर बत्रा ने एफआईएच अध्यक्ष के रूप में इस्तीफा दिया

नईदिल्ली,18 जुलाई 2022 । अनुभवी खेल प्रशासक नरिंदर बत्रा ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और साथ ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्यता भी छोड़ दी। बत्रा को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) का अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा था जब 25 मई को दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया में 'आजीवन सदस्य' के पद को खत्म कर दिया था। बत्रा ने 2017 में हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के रूप में ही आईओए का चुनाव लड़ा और जीता था। तीन अलग अलग पत्रों के जरिए बत्रा ने आधिकारिक रूप से आईओए, आईओसी और एफआईएच में अपने पदों से इस्तीफा दिया। बत्रा ने एआईएच के कार्यकारी बोर्ड को लिखा, ''निजी कारणों से मैं एफआईएच के अध्यक्ष पद से इस्तीफा सौंपता हूं।''

अल्लू की पुष्पा ने बनाया नया रिकॉर्ड, 500 करोड़ व्यूज वाली पहली भारतीय एल्बम बनी

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन की पुष्पा के प्रति दर्शकों में दीवानगी देखते ही बनती है। चाहे फिल्म के गाने हों या डायलॉग, सभी कसौटी पर यह फिल्म खरी उतरी। फिल्म 17 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन सुकुमार ने किया है। अब इस फिल्म के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। पुष्पा भारत की पहली पैन इंडिया फिल्म बन गई है, जिसकी एल्बम को 500 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिले हैं।

फिल्म समीक्षक रमेश बाला ने इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, भारतीय सिनेमा में अब तक का सबसे बड़ा कीर्तिमान। आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन की पुष्पा~ द राइज पहली एल्बम है, जिसने 500 करोड़ व्यूज हासिल किए हैं। सिनेमाघरों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर एक प्लेटफॉर्म पर इस फिल्म को दर्शकों ने हाथों-हाथ लपक लिया। फिल्म के जरिए अल्लू को भी बेशुमार लोकप्रियता मिली। पुष्पा ने भारत में 350 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन किया था। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन ही कीर्तिमान रच दिया था और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 2021 का सबसे बड़ा ओपनिंग डे अपने नाम किया था। यहां तक कि फिल्म ने मास्टर और स्पाइडर मैन को भी पछाड़ दिया था। पुष्पा का ओपनिंग डे का कलेक्शन 52.50 करोड़ रुपये रहा था। फिल्म का बजट 200-250 करोड़ रुपये का है। पुष्पा में अल्लू के साथ साउथ अदाकारा रश्मिका मंदाना नजर आई थीं। रश्मिका के किरदार का नाम श्रीवल्ली है। इस फिल्म के जरिए अल्लू और रश्मिका पहली बार साथ आए हैं। रश्मिका की यह पहली फिल्म है, जो सीधे हिंदी दर्शकों के बीच आई। फिल्म की कहानी चंदन की लकड़ियों की तस्करी से जुड़ी है। फिल्म तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी सहित पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज हुई है। ऐसी चर्चा है कि पहले भाग से पुष्पा 2 का बजट बड़ा होने वाला है। यह फिल्म 400 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी। फिल्म के दूसरे भाग का शीर्षक पुष्पा द रूल रखा गया है। हालिया रिपोर्ट्स की मानें तो केजीएफ चैप्टर 2 की सफलता देखने के बाद सुकुमार फिल्म में और बदलाव करने पर विचार कर रहे हैं। वह इस फिल्म को केजीएफ 2 से भव्य बनाने की तैयारी में हैं। हाल में केजीएफ 2, आरआरआर और विक्रम जैसी साउथ फिल्मों ने पूरे देश में अपना परचम फहराया। केजीएफ 2 में यश लीड रोल में थे, जबकि आरआरआर में राम चरण और जूनियर एनटीआर नजर आए थे। विक्रम में कमल हासन ने अपना दमखम दिखाया था।

आमना शरीफ ने दिखाईं अदाएं

एक्ट्रेस आमना शरीफ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए एक्ट्रेस अपने शोज के अलावा नए लुक्स भी शेयर करना कभी नहीं भूलतीं.

वहीं, पिछले कुछ समय में आमना काफी बोल्ड अंदाज में भी नजर आने लगी हैं. ऐसे में जहां एक ओर फैंस उनके हर लुक के लिए बेताब हो गए हैं, वहीं, एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग भी काफी बढ़ गई है. एक्ट्रेस ने अब एक बार फिर से बोल्ड फोटोशूट कराया है, जिसमें वह काफी बोल्ड लग रही हैं.

आमना शरीफ इंडस्ट्री में ऊंचा मुकाम हासिल कर चुकी हैं। आमना अपनी शानदार अदाकारी के दम पर घर-घर में एक खास पहचान हासिल कर चुकी हैं. एक्टिंग के अलावा वह अपने लुक्स के कारण भी खूब चर्चा में रहती हैं. वह आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं. अब एक बार फिर से एक्ट्रेस अपनी अदाओं का जादू फैंस पर चला दिया है. लेटेस्ट फोटोशूट में आमना को हाई थाई स्लिट सिल्क गाउन में देखा जा रहा है.

इस ग्लैमरस लुक को कंप्लीट करने के लिए आमना ने न्यूड मेकअप किया है और बालों को खुला छोड़ा हुआ है. यहां वह कैमरे के सामने अलग-अलग किलर पोज दे रही हैं. इस लुक में आमना काफी हॉट लग रही हैं. लोग उनकी अदाओं से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं. फैंस ने उनकी तारीफें करते हुए कई कमेंट्स भी करने शुरू कर दिए हैं. एक्ट्रेस ने 39 की उम्र में भी खुद को काफी फिट रखा हुआ है.

आमना के वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछली बार एक्ट्रेस को वेब सीरीज आधा इश्क में देखा गया था. इसके अलावा आमना टीवी शोज के अलावा कई म्यूजिक वीडियोज में भी देखा जाता है.

तारा और मेरी एक-दूसरे के साथ नैचुरल केमिस्ट्री है:अर्जुन कपूर

हिंदी सिनेमा जगत के जाने माने अभिनेता अर्जुन कपूर, जो अपनी आगामी फिल्म एक विलेन 2 की रिलीज के लिए तैयार हैं और लगातार इसको लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस बीच अर्जुन कपूर ने अपनी सह-कलाकार तारा सुतारिया की प्रशंसा की है और कहा है कि तारा के साथ उनकी नैचुरल केमिस्ट्री है।

बता दे कि इस फिल्म में अर्जुन और तारा के अलावा जॉन और दिशा भी मुख्य भूमिका में हैं। अर्जुन कहते हैं, यह देखना वाकई अच्छा है कि लोगों ने एक विलेन 2 के ट्रेलर में तारा और मेरी जोड़ी को कैसे पसंद किया है।

मुझे खुशी है कि वे हमारी केमिस्ट्री की सराहना कर रहे हैं और हम एक-दूसरे के साथ कैसे दिख रहे हैं। हमारी एक-दूसरे के साथ एक प्राकृतिक केमिस्ट्री है और हम एक दूसरे की ऊर्जा का पोषण करते हैं।अभिनेता आगे कहते हैं, हर नई और ताजा ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों की कसौटी पर खरा उतरना होता है। यह जनता ही तय करती है कि वे इस नई जोड़ी को स्क्रीन पर निवेश करने और देखने के लिए उत्साहित हैं या नहीं। यह बहुत अच्छा लगता है कि तारा और मुझे सराहना मिली है और जब आप हमें फिल्म में देखते हैं तो हम आप लोगों के सामने आने का इंतजार नहीं कर सकते।

अर्जुन आगे कहते हैं, दर्शकों ही बहुत सारी चीजें तय करते हैं, खैर तारा और मैं फिल्म में बहुत मसाला डालते हैं और मुझे उम्मीद है कि हमारी जोड़ी कमाल करेंगी।वर्कफ्रंट की बात करें तो, मोहित सूरी की एक विलेन 2 में नजर आने के अलावा अर्जुन आसमान भारद्वाज की कुट्टी और अजय बहल की द लेडीकिलर में भी हैं।

साउथ सुपरस्टार सूर्या की नई फिल्म का टाइटल आया सामने

अभिनेता सूर्या के साथ निर्देशक बाला की बहुप्रतीक्षित फिल्म का शीर्षक सामने आ गया है। इसका टाइटल है वनंगान। निर्देशक बाला के जन्मदिन पर घोषणा करने के लिए ट्विटर पर अभिनेता सूर्या, जिनकी कंपनी 2डी एंटरटेनमेंट इस फिल्म का निर्माण कर रही है, ने कहा, अन्ना आपके साथ फिर से जुड़कर बहुत खुश हूं। आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं अन्ना।इसके साथ ही अभिनेता ने फिल्म का एक पोस्टर साझा किया जिसने वनंगान टाइटल का खुलासा किया। फैंस को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि सूर्या और निर्देशक बाला लगभग 18 वर्षों के अंतराल के बाद एक साथ काम कर रहे हैं। टॉलीवुड की टॉप हीरोइनों में से एक कृति शेट्टी इस फिल्म में सूर्या के साथ फीमेल लीड रोल प्ले कर रही हैं। बड़े बजट में बन रही इस फिल्म की सिनेमैटोग्राफी बालासुब्रमण्यम की है और संगीत जी. वी. प्रकाश का है। कला निर्देशन माया पांडी ने किया है और संपादन सतीश सूर्या ने किया है। यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि, फिल्म का प्लॉट सूर्या की नंधा और पीथमगन जैसी फिल्मों के प्लॉट से बिल्कुल अलग होगा और इस फिल्म में सूर्या का किरदार ऐसा होगा जो पहले तमिल सिनेमा में नहीं देखा गया है।

विधानसभा में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोट डालने पहुंचे टी.एस.सिंहदेव

रायपुर, 18 जुलाई 2022। देश के 16 वे राष्ट्रपति चुनाव के लिए विधानसभा में मतदान की प्रक्रिया सुबह दस बजे से शुरू हो चुकी है जो की अब समाप्ति की ओर है। मतदान शाम पांच बजे तक निर्धारित है। मतों की गिनती 21 जुलाई को नई दिल्ली में की जाएगी। आज मतदान की शुरुआत में सबसे पहला वोट अजय चंद्राकर ने दिया वहीँ कांग्रेस की ओर से पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने अपना मत दिया। मतदान करते वक्त उस समय थोड़ी हलचल मच गई जब वोट डालने स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव पहुंचे। पंचायत विभाग से इस्तीफे के बाद टी एस सिंहदेव का सामना अपने दल के मंत्री विधायकों से हुआ। उनके साथ विधायक छन्नी साहू और शैलेष पांडेय भी थे। विधानसभा में सिंहदेव को देखते ही विधायक कुलदीप जुनेजा उनके पास गए और फिर मतदान कराया। इससे पहले स्पीकर डाक्टर चरणदास महंत और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई विधायक मतदान कर चुके थे। मतदान के बाद सिंहदेव ने मीडिया से कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। वह विभाग में ठीक से काम नहीं कर पा रहे थे। जिसकी वजह से उन्होने इस विभाग से खुद को अलग करने का फैसला किया। सिंहदेव ने कहा कि वह 20 जुलाई को गुजरात जा रहे हैं। वहां से दिल्ली जाएंगे और पार्टी हाईकमान से मिलेंगे।

आपस में एक दूसरे को फोन लगाते रहे सीएम और मंत्री

टी एस सिंहदेव के इस्तीफे के बाद जब इस बारे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने टी एस सिंहदेव को फोन लगाया लेकिन फोन नहीं लगा, वहीं इस मामले में टी एस सिंहदेव का कहना था कि इस्तीफे का पत्र लिखने से दो दिन पहले उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से फोन पर बात की थी।

उनको अपना पक्ष बताया। पत्र लिखने से पहले भी उनको फोन किया। घंटी बजी लेकिन बात नहीं हो पाई। शायद उनकी कहीं अन्यत्र व्यस्तता थी। पुनिया जी को भी फोन किया था। उस दिन पीसीसी की बैठक थी तो उनका भी फोन नहीं उठा। बाद में उन्होंने फोन किया था, तब उनको पूरी बात बताई।

कल देर शाम मुख्यमंत्री निवास में टी एस सिंहदेव के इस्तीफे पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री निवास में कल देर शाम 7 बजे विधायक दल की बैठक हुई जिसमे आगामी विधानसभा के मॉनसून सत्र को लेकर चर्चा हुई थी, साथ ही सिंहदेव के इस्तीफे को लेकर भी चर्चा हुई। इस बैठक में सीएम भूपेश, बघेल और प्रदेश प्रभारी पी एल पुनिया भी मौजूद थे। संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे ने बताया कि इस बैठक में मतदान किस तरह से करना है, राष्ट्रपति चुनाव के लिए जिस तरह वोटिंग करना है और आवश्यक सावधानी बरत कर वोटिंग करना है, उस सन्दर्भ में विधायकों से चर्चा की गई।

टी एस सिंहदेव को लेकर उन्होंने बताया कि जिस तरह उन्होंने पत्र लिखा है, अधिकांश विधायकों ने उस पर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है। पत्र में उन्होंने अपने इस्तीफे में विभाग छोड़ने की बात कही है, उसमे उन्होंने जिन बिंदुओं का उल्लेख किया है सरकार के उन बिंदुओं में कार्य किये गए हैं, उस बारे में अधिकांश विधायक अपने आप को आहत महसूस कर रहे हैं। इन मुद्दों के अलावा बैठक में मानसून सत्र को लेकर चर्चा हुई।

छत्तीसगढ़ का सियासी संग्राम

मैं मंत्री ना रहूं तो शायद बेहतर काम हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है:टीएस सिंहदेव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत में इन दिनों भूचाल आ गया है. स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव के पंचायत मंत्री पद से इस्तीफे के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है. और इसी के साथ बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है.

इसी बीच टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान सामने आया है. सिंहदेव ने कहा कि उन्होंने आलाकमान से मिलने के लिए वक्त मांगा है। हालांकि दिल्ली दौरे को उन्होंने इस्तीफे के मसले से अलग बताया है।

राष्ट्रपति चुनाव में वोट डालने के लिए पहुंचे मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि दिल्ली जाना उनका पूर्व निर्धारित था, क्योंकि गुजरात चुनाव के चीफ आब्जर्बर अशोक गहलोत ने 20 जुलाई को बैठक बुलायी है। सिंहदेव ने कहा कि वो विधानसभा के सत्र में हिस्सा लेंगे। हालांकि 21 जुलाई को वो सदन में उपस्थित नहीं हो सकेंगे, उस दिन उनके विभाग का प्रश्नकाल में सवाल भी है, जिसे लेकर वो किसी मंत्री से अनुरोध करेंगे, कि वो उनके विभाग से जुड़े सवाल का जवाब दें।

मीडिया रिपोर्ट्स में सिंहदेव के हवाले से प्रकाशित बयान के मुताबिक, फ़कुछ दिन पहले केंद्रीय मंत्री ने पंचायत विभाग में काम काज और आवास नहीं बनने को लेकर सवाल उठाये थे। खराब काम को लेकर सवाल उठाये थे। मंत्री के नाते उनका पहला दायित्व होता है कि मैं अपनी जिम्मेदारी लूं। मैं मंत्री ना रहूं तो शायद बेहतर काम हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है।

सिंहदेव के खिलाफ एक्शन के लिए 14 मंत्रियों-विधायकों ने किए हस्ताक्षर, पुनिया दिल्ली में आलाकमान को सौंपेंगे पत्र,दिल्ली में होगा फैसला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव के इस्तीफे वाली चिट्?ठी को लेकर मुख्यमंत्री निवास में रविवार को हुई विधायक दल की बैठक में 14 मंत्रियों-विधायकों ने सिंहदेव के पत्र में लगाए गए आरोपों पर आपत्ति जताई।

मंत्री और विधायकों ने सिंहदेव के पत्र को अनुशासनहीनता कहा गया। बताया जा रहा है कि सिंहदेव के खिलाफ कार्यवाई की मांग वाले एक पत्र पर भी अधिकांश विधायकों के हस्ताक्षर लिए गए हैं। इसे लेकर प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया दिल्ली जाएंगे।

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ.शिव डहरिया ने उठाया सिंहदेव के इस्तीफे का मुद्दा, इन्होंने की कार्यवाही की मांग

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री निवास में रविवार रात कांग्रेस विधायक दल की बैठक राष्ट्रपति चुनाव के मतदान का प्रशिक्षण देने के सिंगल एजेंडे पर आयोजित थी।

बैठक शुरू हुई तो नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया ने टीएस सिंहदेव के इस्तीफे का मामला उठा दिया। डहरिया ने कहा, यह सरकार को अपमानित करने वाली स्थिति है। सरकार अच्छा काम कर रही है। इसके बावजूद ऐसा लिखा जा रहा है, यह बेहद आपत्तिजनक है।

राजिम विधायक अमितेश शुक्ला ने कहा, उनके बाप-दादा के जमाने में भी कभी ऐसा नहीं हुआ। यह ठीक नहीं हो रहा है। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने यहां तक कह दिया कि यह सरासर अनुशासनहीनता का मामला है। ऐसा पत्र लिखने वाले के खिलाफ अभी और यहीं कार्यवाही होनी चाहिए।

खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा, हमारे आदिवासी विधायक बृहस्पत सिंह ने इनके लिए कुछ बोल दिया था तो सदन में माफी मांगनी पड़ी। ये बोल रहे हैं तो कुछ नहीं!

विधायक डॉ. विनय जायसवाल, विनोद चंद्राकर, चंद्रदेव राय, द्वारिकाधीश यादव, कुलदीप जुनेजा, शिशुपाल शोरी, रेखचंद जैन, कुंवर सिंह निषाद और आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने भी अनुशासनहीनता पर कार्यवाही की मांग वाली ऐसी ही बातें कहीं।

चौबे बोले- आहत हैं विधायक, अब फैसला हाई कमान के हाथ

बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा में संसदीय कार्य मंत्री और सरकार के प्रवक्ता रविंद्र चौबे ने कहा, यह बड़ा मामला है। महाराज साहब (टीएस सिंहदेव) ने जिस तरीके से पत्र लिखा है, उस पर अधिकांश विधायकों ने प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है।

रविंद्र चौबे ने कहा सिंहदेव ने अपने विभाग छोड़ने के जो कारण गिनाए हैं, उसकी वजह से अधिकांश विधायक आहत महसूस कर रहे थे। पुनिया के समक्ष उन्होंने अपनी बातें रखी हैं। चौबे ने कहा, पुनिया जी यहां हाईकमान के प्रतिनिधि हैं, वे वहां अपनी बात रखेंगे। मैं समझता हूं उसके बाद कोई सम्मानजनक हल निकलेगा।

हादसा या खुदकुशी! कार सहित 5 लोग डूबे,6 घंटे से तलाश जारी

दुर्ग, 18 जुलाई 2022। जिले से बड़ी खबर है। कार सहित 5 लोग शिवनाथ नदी में डूब गए हैं। 6 घंटे से तलाश जारी है। हालांकि परिस्थितियों को देखते हुए हादसा है या सामूहिक आत्महत्या अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। अभी तक न कार का पता चल सका है और न उसमें सवार लोगों का। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम सुबह 6 बजे से नदी में सर्चिंग कर रही है।

जानकारी के मुताबिक एक कार रविवार देर रात 12.30 बजे अंजोरा की तरफ से दुर्ग आ रही थी। कार ब्रिज से न जाकर सीधे नदी की ओर जाने लगी। नदी में बाढ़ होने से की वजह से पुलिस ने वहां बैरिकेड्स लगाकर रखा है, जिससे की कोई नदी की तरफ न जा सके।

घटना स्थल से कुछ दूर पर ईंट भट्ठा बनाने वाले रहते हैं। उन्होंने बताया कि कार बैरिकेड्स के पास कुछ समय के लिए रुकी। इसके बाद कार से दो तीन लोग उतरे। उन्होंने बैरिकेड्स को हटाया और कार को नदी में घुसा दिया। नदी में बाढ़ होने की वजह से कार उसमें बहती चली गई।

नदी में कार बह जाने की सूचना लोगों ने डायल 112 को दिया। इसके बाद पुलगांव पुलिस और एसडीआरएफ दुर्ग की टीम मौके पर पहुंची। रात में काफी देर सर्च करने के बाद कहीं कुछ नहीं पता चला। जैसे ही सुबह हुई तड़के से ही गोताखोरों टीम वोट लेकर नदी में उतर गए हैं।

नोटिस के बाद भी न्यायालय में पेश नहीं हुए साइंस कॉलेज प्राचार्य,कोर्ट ने ज़ारी किया गैर ज़मानती वारंट

बिलासपुर, 18 जुलाई 2022। जवाब तलब करने के लिए न्यायालय द्वारा भेजे गए नोटिस को नजरअंदाज करना साइंस कॉलेज के प्राचार्य को महंगा पड़ गया। न्यायालय के नोटिस की अवहेलना करने वाले प्राचार्य को श्रम न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी कर अदालत में पेश करने का निर्देश सुना दिया।

अपने खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होते ही प्राचार्य कोर्ट से जमानत लेकर सीधे श्रम न्यायालय में पेश हुए और अपनी सफाई दी। प्राचार्य के गैर जिम्मेदाराना रवैया से नाराज न्यायालय ने प्राचार्य को हिदायत दी और अगली सुनवाई में सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ पेश होने का निर्देश दिया।

15 महीने से वेतन ना देने का है यह आरोप- दरअसल साइंस कॉलेज में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी काम करते हैं। जिनमें से 7 कर्मचारियों द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है कि पिछले 15 महीनों से उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का कहना है कि वे कोरोना संक्रमण काल से लेकर अब तक लगातार काम करते आ रहे हैं। जिसके बावजूद उनके वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। वेतन ना मिलने से आर्थिक संकट की स्थिति खड़ी हो गई है और उनके परिवार को काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा है। कर्मचारियों की शिकायत पर प्राचार्य ने वेतन देने के लिए फंड ना होने का हवाला देते हुए वेतन का भुगतान न कर पाने की बात कही है।

EOW और ACB की जांच से पहले राज्य शासन की अनुमति जरुरी, GAD से जारी हुआ आदेश

रायपुर, 18 जुलाई 2022। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर EOW और ACB की जांच से पहले राज्य शासन की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है। भ्रष्टाचार अधिनियम 1988 यथा संशोधित 2018 में धारा 17 (ए) के अनुसार किसी लोक सेवक के द्वारा शासकीय कृत्य या कर्तव्यों के निर्वहन में की गई शिकायतों या किए गए विनिश्चय के संबंध में अपराधों की जांच या पूछताछ या अन्वेषण किसी पुलिस अधिकारी द्वारा बिना राज्य शासन की पूर्वानुमोदन के नहीं किया जा सकता है।

यह आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डीडी सिंह हस्ताक्षर से जारी हुआ है। इसके तहत राज्य शासन भ्रष्टाचार अधिनियम 1988 यथा संशोधित 2018 में धारा 17 (ए) के अंतर्गत पूर्वानुमोदन हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने के प्रयोजन के लिए राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो छत्तीसगढ़ के विभागाध्यक्ष व निदेशक में पुलिस महानिदेशक की शक्तियां वेष्ठित करता है तथा उक्त निर्देषों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

8 वर्ष की नाबालिक से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कांकेर, 18 जुलाई 2022। जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोठा के डोंगरीपारा में एक 08 वर्ष की नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में भानूप्रतापपुर पुलिस ने आरोपी धनराज सोरी उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नाबालिक बच्ची को गांव का ही दुष्कर्म का आरोपी धनराज सोरी उम्र 25 वर्ष ने बच्ची को अपने घर से तेल देने के बहाने ले गया। लेकिन तेल नहीं दिया उल्टे दुष्कर्म के आरोपी धनराज ने नाबालिक बच्ची को गांव से बाहर नाले की ओर गांव से बाहर ले गया और वहां दुष्कर्म किया। बहुत देर तक घर वापस नहीं आने पर पीड़िता बच्ची की मां एवं आरोपी धनराज सोरी की पत्नी दोनों जब बच्ची को ढूंढने निकले और नाले के पास जब पहुंचे तो बच्ची व धनराज मिले तब बच्ची रो रही थी। पूछताछ करने पर बच्ची ने पूरी घटना बताई, इस मामले को लेकर पहले गांव में बैठक कर सुलझाने का प्रयास किया गया, इसके बाद परिजनों ने भानुप्रतापपुर पुलिस थाने में रविवार देर शाम को रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

तहसीलदार सेल्फी लेने में व्यस्त,मुसीबत में थी मासूम की जिंदगी,सोशल मीडिया में तस्वीरें वायरल

जांजगीर-चांपा, 18 जुलाई 2022। 16 जुलाई को दोपहर के वक्त 4 साल का शुभम पटेल मुलमुला इलाके के लीलागर नदी में बने एनीकट को पार करते समय बह गया था। वो अपने पिता प्रकाश पटेल के साथ बाइक में बैठकर एनीकट पार कर रहा था। मगर बाइक फिसलने से हादसा हो गया था। घटना के बाद से ही बच्चे की तलाश जारी थी। 16 जुलाई को भी बच्चे को काफी तलाश गया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला था।

अगले दिन रविवार को भी बच्चे को तलाशने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। SDRF की टीम आस-पास के 6 किलोमीटर के दायरे में बच्चे को खोज रही थी। उसी दौरान प्रशासन की टीम के साथ पामगढ़ तहसीलदार ए.के चंद्रा भी नदी में गए थे। नदी में जाने के बाद उन्होंने सेल्फी ली। सेल्फी लेने के दौरान वह काफी मुस्कुरा रहे थे।

इधर, रविवार शाम को 4 बजे बच्चे का शव मिल गया। जांजगीर-चांपा जिले में पदस्थ एक तहसीलदार ने ऐसे वक्त में सेल्फी ली, जब प्रशासन, SDRF और पुलिस की टीम नदी में डूबे एक बच्चे की तलाश कर रही थी। दुखद बात ये रही कि उस मासूम की मौत भी हो गई। उधर, तहसीलदार का यह सेल्फी सोशल मीडिया में वायरल हो गई और लोगों ने इसे लेकर जमकर नाराजगी जाहिर की है।

ट्वीटर पर शेयर करते हुए प्रशांत सिंह ठाकुर नाम के शख्स ने लिखा छत्तीसगढ़ के पामगढ़ के पास एनीकट से 4 साल का बच्चा बह गया। एसडीआरएफ की टीम ने परिश्रम किया, पर दुर्भाग्य से लाश मिली। पर तहसीलदार साहब को क्याज मालिक जो ठहरे। नौका भ्रमण और बेशर्मी वाली सेल्फी भीज । इसी तरह दूसरे लोगों ने भी उनको जमकर घेरा।

सरकार का दावा

4 सालों में 589 गांव हुए नक्सली मुक्त,बौखला रहे माओवादी संगठन

रायपुर, 18 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा है कि नक्सल समस्या के समाधान के लिए बड़ा कदम उठाया जा रहा है. सरकार ने इस समस्या को लेकर जो फैसले किए उसकी वजह से बस्तर संभाग के अंतर्गत माओवादी संगठन की गतिविधियां दक्षिण बीजापुर, दक्षिण सुकमा, इंद्रावती नेशनल पार्क, अबूझमाड़ और कोयलीबेड़ा क्षेत्र के चंद वर्ग किलोमीटर तक सीमित हो गई हैं. इन गतिविधियों के सीमित होने की वजह से माओवादियों के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है और उनमें बौखलाहट है.

गौरतलब है कि अपने संगठन का अस्तित्व बनाए रखने और कैडर के मनोबल को मजबूत रखने के लिए माओवादी किसी भी स्तर तक जा रहे हैं. वे निर्दोष ग्रामीणों की हत्या करते हैं, कभी विकास कार्यों में उपयोग किए जा रहे वाहनों को आग के हवाले करने हैं, तो कभी सुरक्षाबलों के ऊपर जानलेवा हमला करते हैं. छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा है कि बस्तर संभाग के अंतर्गत साल 2019 से पहले नक्सल प्रभावित गांवों की संख्या 2710 थी, इनमें से पिछले 48 महीनों में 589 गांव नक्सलियों से मुक्त हुए. बस्तर संभाग के अंदर नक्सल विरोधी अभियान चलाए गए. इलाके की जनता की मांग पर विकास कार्यों के लिए 48 महीनों में 43 नए सुरक्षा कैंप/थाना स्थापित किए गए.

सरकार ने उठाए ये कदम

बस्तर संभाग के सुरक्षा कैंपों के समग्र विकास के लिए उन स्थानों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सार्वजनिक प्रणाली, बिजली, बैंक, आंगनबाड़ी केंद्र एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे जनता में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है. पिछले कई वर्षो से माओवादी स्थानीय आदिवासी युवकों को जल, जंगल और जमीन के मुद्दे पर गलत जानकारी देकर शासन के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन, इसके बाद छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल और जिला पुलिस बल में स्थानीय युवकों की भर्ती की गई. इसकी वजह से पिछले कुछ सालों में माओवादी संगठनों की भर्ती में कमी आई है. इतना ही नहीं नक्सल आतंक के कारण बस्तर संभाग के अंतर्गत 363 स्कूल बंद थे, जिनमें से पिछले 48 महीनों में 257 स्कूल दोबारा खोले गए.

ये है अब तक की घटनाओं का आंकड़ा

वहीं, बस्तर संभाग के अंदर 48 महीनों में बिजली से वंचित कुल 196 गांव में सप्लाई शुरू कर दी गई. बस्तर संभाग के अंदर 48 महीनों में बिजली से वंचित कुल 196 गांव में सप्लाई शुरू कर दी गई. आंकड़ों की बात करें तो इस साल 30 जून तक कुल 134 नक्सली घटनाएं हुई, 14 नक्सली मारे गए और 289 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया. वही इस अवधि में 177 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और कुल 41 नक्सली मुठभेड़ हुई।

हाइवा चालक ने गाय को मारी टक्कर

रायपुर, 18 जुलाई 2022। उरकुरा मोड़ के पास हाइवा के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हहुए गाय को ठोकर मार दिया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपी हाईवा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अभिषेक शुक्ला 22 वर्ष ने थाने में शिकायत किया कि उरकुरा मोड़ के पास हाइवा क्रमांक सीजी 04 एनबी 1048 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए गाय को ठोकर मार दिया। जिससे पुलिस ने मामले में आरोपी हाईवा चालक के खिलाफ धारा 279, 429 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)